ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 326 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 मई 2025 शनिवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सीएम आज दिल्ली में, नीति आयोग की बैठक में शामिल, नजरें 31 मई पर भी

विजन 2047 महिला सशक्तिकरण व मप्र का कनेक्शन..मोदी दे सकते हैं कड़ा संदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सीएम मोहन यादव व सीएस अनुराग जैन आज आज दिल्ली में है। सीएम व सीएस दोनों ही नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हो रही है। इसमें कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल है। जानकार सूत्रों के मुताबिक उक्त बैठक में देश के विकास से जुड़े कई विषयों पर चर्चा होना है। इसमें भी मुख्यरूप से विकसित भारत के विकसित राज्य ञ्च2047 की थीम पर बैठक में चर्चा होगी। बैठक में चर्चा का मुख्य विषय यह भी होगा कि भारत अपनी विशाल जनसंख्या का किस तरह से विकास के लिए लाभ ले सकता है। टियर 2 और 3 शहरों में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को ब?ाने के लिए उपायों पर नीति आयोग की बैठक में खास फोकस रहेगा। सीएम आज शनिवार को भी दिल्ली में ही रात्रि विश्राम करेंगे। सूत्रों के मुताबिक नीति आयोग की बैठक के बाद वह राज्य के कई विषयों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे। साथ ही राज्य में चल रहे जनकल्याण के कामों की जानकारी भी साझा करेंगे। माना जा रहा है कि मंत्री विजय शाह के मामले में भी यादव दिल्ली में पार्टी संगठन को जानकारी देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा सरकार का महिला सशक्तीकरण पर बड़ा सम्मेलन इसीलिये काफी अहम हो चला है। इसकी व्यवस्थाओं और तैयारियों का जिम्मा भाजपा ने महिलाओं को सौंपा है। कार्यक्रम के दिन 620 महिलाएं सिंदूरी साड़ी में मंच पर और आसपास होंगी। उनके पास संचालन, आभार, पानी, बैठक, भोजन, पार्किंग और वाहन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी होगी। सिंदूरी रंग की एक जैसी साड़ी संगठन की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। तैयारी बेहतर हो, इसलिए भोपाल के 31 मंडलों से 20 महिलाओं का चयन होगा। उनकी बैठक 27 को पार्टी दफ्तर में रखी गई है। यह भी कहा जा रहा है कि महिलाएं ही मोदी की यात्रा को लीड करेंगी। कार्यक्रम को लेकर एक 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। इसमें महापौर मालती राय, मंत्री कृष्णा गौर, सीमा सिंह, नेहा बग्गा, भक्ति शर्मा और वंदना जाचक को शामिल किया गया है। अगली बैठक में कुछ और कमेटियों का गठन हो सकता है।उधर एक बैठक में भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने मोदी के कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा की। वीडी शर्मा ने कहा कि हमने देखा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दो महिला सैन्य अधिकारियों, कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को आगे लाकर जिम्मेदारी दी गई। यही स्वरूप 103 रेलवे पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम में भी दिखाई दिया। अब हमें इसी तस्वीर को और मजबूत करना है।

मोदी आगमन के पहले फिर माफी

पीएम नरेंद्र मोदी के 31 मई को भोपाल आगमन को लेकर सियासी उत्कंठाएं भी तेज हो रही हैं। वे यहां महिला सशिक्तकरण सम्मेलन में शिरकत करेंगे और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में नए कदमों का ऐलान भी कर सकते हैं। उनके दौरे के कई सियासी निहितार्थ भी लगाए जा रहे हैं। हाल में बीकानेर दौरे पर पहुंचकर मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। सेना के शौर्य की सराहना की है, लिहाजा भोपाल में भी उनके संबोधन पर नजरें हैं। माना जा रहा है कि मप्र के काबीना मंत्री विजय शाह द्वारा सेना की कर्नल सोफिया कुरेशी को लेकर दिये अमर्यादित भाषण के बाद मचे बवाल और मोदी के दौरे 31 के पहले ठोस फैसला ले सकती है। शाह ने फिर इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है।

अब राहुल पहुंचे पुंछ, गोलीबारी पीड़ितों का हौसला बढ़ाया

जम्मू, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज सुबह जम्मू पहुंचें और यहां से पुंछ पहुंचकर हाल में पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से मिल रहे हैं। वे स्कूली बच्चों से मिले, उनका हौसला ब?ाया और कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। सब जल्दी ठीक हो जाएगा। आप इन हालात से बाहर आने के लिए खूब प?ाई करें, खूब खेल खेलें और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाएं। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बस्ती में पहुंचकर बात की और गोलीबारी से ध्वस्त घर देखे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह राहुल का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 25 अप्रैल को श्रीनगर पहुंचे थे। यहां उन्होंने सीएम उमर अब्दुल्ला, एलजी मनोज सिन्हा और घायलों से मुलाकात की थी। पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

एनडीए से महिला कैडेट्स का पहला बैच 30 मई को

नई दिल्ली। नेशनल डिफेंस एकेडमी में महिला कैडेट्स का पहला बैच पासआउट होने वाला है। तीस मई को इसकी पासिंग आउट परेड होगी। इतिहास में यह पहली बार होगा जब 17 महिला कैडेट्स तीन सौ से ज्यादा पुरुषों के साथ एडीए ग्रेजुएट होंगी। ये भारतीय सेना, नेवी और एयर फोर्स जॉइन करेंगी। उल्लेखनीय है कि 4 साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को एनडीए परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने का आदेश दिया था। इसके बाद यूपीएससी ने महिलाओं को आवेदन करने की अनुमति दी। 2022 में पहली बार 17 महिला कैडेट्स का बैच एनडीए में शामिल हुआ था। अभिनेता अक्षय कुमार ने भी इस बैच की तस्वीर शेयर की थी।

ट्रंप की एपल को नई धमकी

आईफोन भारत में बना तो अमेरिका अब 25 फीसदी टैरिफ वसूलेगा

वाशिंगटन, एजेंसी

अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल के सामने नई शर्त रख दी है इसमें प्रकारांतर से धमकी भी है। उन्होने कहा कि एपल का भारत जाकर अपने मोबाइल या अन्य उपकरण को बनाना ठीक है, लेकिन फिर कंपनी बिना टैरिफ के बिना में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी। ट्रंप का यह बयान तब आया, जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ओवल ऑफिस में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कहा, %टिम कुक के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह संयंत्र लगाने या बनाने के लिए भारत जा रहे हैं। मैंने कहा कि भारत जाना ठीक है, लेकिन आप टैरिफ के बिना यहां बिक्री नहीं करेंगे और यही तरीका है। ट्रंप ने कहा कि अगर वे अपना आईफोन अमेरिका में बेचने जा रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि इसे संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में बनाया जाए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट में कहा कि अमेरिका में बिकने वाले एपल आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होगा, भारत या किसी और जगह पर नहीं, ऐसी उम्मीद है। उन्होंने धमकी दी कि अगर टेक कंपनी ने ऐसा नहीं किया तो वे उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने कहा, मैंने बहुत पहले ही एपल के टिम कुक को बता दिया था।

8 दिन पहले झमाझम केरल में मानसून के मंगलाचरण

नई दिल्ली। मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। मानसून अपने तय समय 1 जून से 8 दिन पहले केरल पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 16 साल में पहली बार होगा जब मानसून इतनी जल्दी आया। 2024 में यह 30 मई को केरल पहुंचा था। कुछ दिनों से देश की सरहद से 40 किलोमीटर दूर ठिठका मानसून कल रात से आगे बढ़ने लगा है। आज यह केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में एक साथ दस्तक दे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों को कवर कर सकता है। वहीं, 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा विभाग ने आज के लिए दो तरह के रेड अलर्ट जारी किए हैं। पहला भारी बारिश और दूसरा भीषण गर्मी का है। गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र कर्नाटक और केरल के तटीय इलाकों में 200 मिमी तक बारिश समेत अगले सात दिन तक भारी बारिश की चेतावनी है।

सिंधु जल पर भारत की दो टूक पाकिस्तान ने थोपे 3 युध्द

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान के दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में कहा कि पाकिस्तान पहले ही भारत पर तीन युद्ध थोपकर और हजारों आतंकी घटनाएं कर सिंधु जल समझौते की भावना का उल्लंघन कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने कहा कि सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल द्वारा दुष्प्रचार किया जा रहा है संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद की एरिआ फार्मूला बैठक का मुद्दा ही संघर्ष में पानी की सुरक्षा था। इस बैठक में पाकिस्तान ने भारत पर सिंधु जल समझौता तोड़ने के लिए बेबुनियाद और भ्रामक आरोप लगाए। जिस पर भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पी हरीश ने कहा कि 65 साल पहले भारत ने अच्छी भावना के साथ पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता किया था। प्रस्तावना में साफ लिखा गया है कि ये समझौता अच्छी भावना और दोस्ती के साथ किया गया, लेकिन पाकिस्तान ने बीते 65 वर्षों में इस भावना का साफ उल्लंघन किया और भारत के खिलाफ तीन युद्ध लड़े और हजारों आतंकी हमले किए।

डेलीगेशन लेकर थरूर अमेरिका रवाना, बोले- हम चुप नहीं रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला सांसदों का डेलीगेशन आज सुबह दिल्ली से रवाना हुआ। अब ये डेलीगेशन संयुक्त राज्य अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया सहित पांच देशों का दौरा करेगा। रवाना होने से पहले थरूर ने कहा, हम नहीं चाहते कि दुनिया हमारी ओर से आंखें फेर ले और झूठ सच्चाई पर हावी हो जाए। यह शांति का मिशन है। दुनिया को यह संदेश देने की जरूरत है कि हम आतंकवाद पर चुप नहीं रह सकते। उधर सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले डेलीगेशन में शामिल कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, 45 साल से पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हम कतर, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और मिस्र में आतंकवाद की सच्चाई को उजागर करने जा रहे हैं।

रेत विवाद में 5 लोगों को गोली मारी

बक्सर। आज सुबह अपराधियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को भून डाला। इसमें तीन सगे भाइयों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना राजपुर के अहियापुर गांव में हुई है। वारदात के बाद इलाके सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों और परिजनों ने घटना के विरोध में जमकर बवाल किया। लोगों ने ट्रक लगाकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने में जुट गई है। मरने वालों की पहचान विनोद सिंह यादव, सुनील सिंह यादव और वीरेंद्र सिंह यादव के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इनका कल गांव के कुछ लोगों से गिट्टी-बालू के व्यवसाय को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद आज सुबह लगभग पांच बजे नहर के पास तीनों टहल रहे थे। इसी बीच कार से कुछ अपराधी आए और गोलीबारी करने लगे।

मेट्रो एंकर | चावल की कीमतों पर बेहूदा टिप्पणी से भड़के लोग, पीएम को मांगनी पड़ी माफी

जापान से भारत आया सबक... बेलगाम बयान से चला गया एक मंत्री का पद !

नईदिल्ली, एजेंसी

सार्वजनिक जीवन में आचरण और बयान कितनी जिम्मेदारी का मामला है, यह उदाहरण जापान ने पेश किया है। भारत के राजनीतिकों के संदर्भ में यह मामला काफी महत्वपूर्ण हो जाता है,क्योंकि अनर्गल व अमार्यादित बयान देने के मामले में कई राजनेता फंसे जरूर है लेकिन उनके पद सलामत है। दरअसल, जापान के कृषि मंत्री ताकु ईटो को चावल की बढ़ी कीमत पर मजाकिया बयान देना इतना महंगा पड़ गया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ गया। उन्होंने कहा था कि वो कभी चावल नहीं खरीदते हैं, बल्कि उन्हें मुफ्त में मिलता है। इस बयान के बाद महंगाई से जूझ रही जनता का गुस्सा भड़क गया और प्रधानमंत्री ने लोगों से माफी मांगी थी। जापान के मंत्री ईटो ने प्रधानमंत्री ऑफिस जाकर अपना इस्तीफा सौंपा है। हालांकि इस इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा पर भी महंगाई कम करने का दबाव और ज्यादा बढ़ गया है। उनकी सरकार को चावल की लगातार बढ़ती कीमतों को कंट्रोल न कर पाने की वजह से लोगों का गुस्सा झेलना पड़ रहा है। जापान में जुलाई महीने में संसद के ऊपरी सदन का चुनाव होने वाला है ऐसे में यह मुद्दा और ज्यादा राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है। जापान का सबसे मशहूर कोशिहिकारी ब्रांड का चावल लगभग 5,000 येन यानि 3000 रुपए प्रति 5 किलोग्राम में बिक रहा है। जबकि 2023 में 5 किलोग्राम चावल की कीमत औसतन लगभग 2,हजार येन यात्रन 1100 रुपए था। प्रधानमंत्री ने वादा किया है कि चावल की औसत कीमत को 3 हजार येन यानि 1700 रुपए प्रति 5 किलोग्राम तक लाया जाएगा। उधर मंत्री ईटो ने पिछले हफ्ते एक फंड रेज प्रोग्राम में कहा था- मैंने खुद कभी चावल नहीं खरीदा, क्योंकि मेरे समर्थक मुझे इतना चावल दान करते हैं कि मैं इसे बेच सकता हूं। उनके बयान से लोग भड़क गए थे। मैंने खुद से पूछा- क्या यह ठीक है ! जापान की क्योडो न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ताकु ईटो ने कहा- मैंने खुद से पूछा कि क्या चावल की लगातार बढ़ती कीमतों के बाद भी मेरे लिए कृषि मंत्री बने रहना ठीक है। उसके बाद मैंने तय किया कि नहीं, यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा- मैं एक बार फिर लोगों से माफी मांगता हूं कि जब लोग चावल की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं, तब मैंने मंत्री के तौर पर बहुत ही गलत बयान दिया। मैं कुछ ज्यादा ही आगे निकल गया था।

25 साल में पहली बार इंपोर्ट की नौबत

दरअसल, जापान में चावल की कीमत हमेशा एक बड़ा राजनीति मुद्दा रहा है। 1918 में चावल की कीमतों को लेकर हुए दंगों की वजह से एक सरकार गिर गई थी। वर्तमान सरकार ने चावल की कीमतें पर कंट्रोल के लिए कई कोशिशें की, लेकिन वे कारगर नहीं रही। अब विपक्ष और आम लोग कंजंप्शन टैक्स में कटौती की मांग कर रहे हैं, ताकि महंगाई का बोझ कुछ कम हो सके। चावल संकट के चलते कई जापानी रेस्तरां और आम लोग अब दूसरे देशों से सस्ता चावल बुलाने पर जोर दे रहे हैं। अप्रैल में जापान ने 25 सालों में पहली बार दक्षिण कोरिया से चावल इंपोर्ट किया था।

प्रधानमंत्री के आने की तैयारी

भोपाल। जंबूरी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोरों पर है। वे 31 मई को यहां महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

बोरिंग में मिल रहा सीवरेज का गंदा पानी, लोग हो रहे बीमार

निगम आयुक्त से मांगा जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के वार्ड नंबर 30 स्थित अंबेडकर नगर का है, यहां के रहवासियों को साफ पानी के लिए परेशान होने का मामला सामने आया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित की गई इस कॉलोनी में सीवेज सिस्टम खराब हो चुका है, और पानी की निकासी नहीं होने के कारण सीवेज का दूषित पानी बोरिंग में मिल रहा है। जिसके कारण 6-7 बोरिंग का पानी प्रदूषित हो गया है। दूषित पानी पीने से लोग बीमार हो रहे है और पानी में से बदबू भी आ रही है। इस संबंध में रहवासियों द्वारा कई बार नगर निगम के संबंधित अधिकारी से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है।

फाइल फोटो

असुरक्षित होर्डिंग्स दे रहे हादसों को न्यौता

भोपाल शहर में बीते बुधवार को आई तेज आंधी और बारिश में शहर के विभिन्न हिस्सों मे लगे सैकड़ों वैध और अवैध होर्डिंग्स, यूनिपोल और उनके बैनर के तेज हवा के चलते नीचे सड़कों पर गिरने का मामला सामने आया है। बारिश के दिनों में आने वाले तेज हवा-तूफान के चलते शहर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों पर लगे होर्डिंग्स के गिरने के कारण वहां से आवाजाही करने वाले लोगों एवं राहगीरों के साथ बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं।

बेखौफ सड़क पर दौड़ रहे सरकारी कंडम वाहन

शहर में आये दिन कंडम वाहनों से सड़क हादसे हो रहे है, इसके बावजूद कंडम वाहनों के सड़कों पर बेखौफ दौड़ने का मामला सामने आया है। बीते दिन पुलिस चेकिंग पॉइंट को क्रॉस कर नगर निगम का एक ट्रक निकला, जिसकी हालात भी कंडम थी। कंडम वाहनों के सड़क पर दौड़ने/चलने के कारण बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है और शहर वासियों की जान को भी खतरा बना हुआ है। मामले में आयोग ने डीसीपी, ट्रैफिक/आर.टी.ओ. भोपाल से मामले की जांच कराकर की कंडम वाहनों पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

बच्चे को बचाने के प्रयास में डूबे युवक के परिजनों को मिला उपभोक्ता फोरम का 'सहारा'

बीमा क्लेम खारिज हुआ था क्योंकि तैरना नहीं आता था..अब मिलेंगे 10 लाख रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ता फोरम ने अपने एक अहम फैसले में बीमा कंपनी की क्लेम देने में आनाकानी को अमान्य किया है और एक ऐसे व्यक्ति के परिवार को मुआवजे के आदेश दिया है जो दूसरे को बचाने के प्रयास में जान गंवा बैठा। बताया जाता है कि कोलार इलाके के दत्तु सोनवाने ने एक नवंबर 2022 को डूबते बच्चे को बचाने के लिए नर्मदा नदी में छलांग लगाई और अपनी जान गंवा दी थी। जब उनकी पत्नी ने बीमा कंपनी से मुआवजे का दावा किया, तो कंपनी ने सवाल उठाया, ÷तैरना नहीं आता था तो नदी में क्यों उतरेड़÷ लेकिन अब जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा, यह कदम लापरवाही नहीं, बल्कि एक मानवीय और साहसी प्रयास था। इसके साथ ही आयोग ने बीमा कंपनी को मृतक की पत्नी को 10 लाख रुपए, ब्याज सहित, मानसिक पीड़ा और मुकदमे के खर्च के लिए भुगतान करने का आदेश दिया। बताया जाता है कि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने मृतक का दावा यह कहते हुए खारिज किया था कि सोनवाने को तैरना नहीं आता था, फिर भी वे नदी में गए, यह पॉलिसी शर्तों का उल्लंघन है और इस आधार पर भुगतान नहीं किया जा सकता। परिवादी की अधिवक्ता रचना सिंह चौहान का कहना है कि दत्तु यह सोचकर पानी में नहीं कूदे थे कि उनकी मृत्यु होगी। बीमा कंपनियां अक्सर ऐसी परिस्थितियों का फायदा उठाती हैं।

यह लापरवाही नहीं, इंसानियत

जानकारी के मुताबिक आयोग ने बीमा कंपनी की इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि यह एक आपातकालीन और मानवीय परिस्थिति थी। दत्तु नदी में नहाने नहीं गए थे, बल्कि एक डूबते बच्चे की जान बचाने के लिए कूदे थे। इस तरह का कदम बीमा दावे को अस्वीकार करने का आधार नहीं बन सकता। यह साहस और मानवता का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि सोनवाने ने 10 लाख रुपए की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी ली थी। प्रीमियम समय पर जमा किया गया था। वे अगस्त 2022 में वे नर्मदा नदी के आंवली घाट पर थे, जहां एक बच्चा डूब रहा था। दत्तु ने बिना सोचे-समझे उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। बच्चा तो बच गया, लेकिन दत्तु की जान नहीं बच सकी। बीमा कंपनी द्वारा दावा खारिज करने पर उनकी पत्नी ने जिला उपभोक्ता आयोग, भोपाल में याचिका दायर की।

सप्रे संग्रहालय के डिजिटाइजेशन प्रोजेक्ट से राज्यपाल संतुष्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के राज्ड़यपाल मंगुभाई पटेल ने माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की महत्वाकांक्षी परियोजना–20,01,994 पृष्ठों का डिजिटाइजेशन, 10 के.वी. के सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना और सप्रे संग्रहालय में संगृहीत राष्ट्रीय बौद्धिक धरोहर की अद्यतन संदर्भिका की वेबसाइट के निर्माण– के पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया है। करीब दो साल पहले ने इस परियोजना का शुभारंभ किया था। इस आयोजना के स्वप्नदृष्टा सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने राज्यपाल से भेंटकर परियोजना की सफल परिणति से अवगत कराया। डिजिटाइज्ड दस्तावेजों की संदर्भिका भी राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल ने इस के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। सप्रे संग्रहालय के निदेशक अरविन्द श्रीधर भी उपस्थित रहे।

5 करोड़ पृष्ठ की सामग्री

यद्यपि सप्रे संग्रहालय में 5 करोड़ पृष्ठों से अधिक संदर्भ सामग्री संगृहीत है, लेकिन प्रथम चरण में 27 लाख उन पत्र-पत्रिकाओं और अन्य दस्तावेजों को डिजिटाइज़ किया गया है जो जर्जर अवस्था में हैं, अथवा ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शोधार्थियों और अन्य जिज्ञासुओं के लिए अब यह दुर्लभ संदर्भ संपदा कंप्यूटर स्क्रीन पर अध्ड़ययन के लिए उपलब्ध है।

तिरंगा यात्रा निकली, वंदे मातरम् गूंजा

गुरूनानक मंडल का आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व सांसद आलोक शर्मा ने किया, जो गुरुनानक मंडल द्वारा आयोजित की गई थी। यात्रा के दौरान, 101 फीट लंबा तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्त मिलेट्री गेट से निकले, जो भारत के वीर जवानों की शौर्य की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। यह तिरंगा यात्रा देश भर में निकाली जा रही है, जिसका उद्देश्य देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना और भारत के जवानों के बलिदान को सम्मानित करना है। यात्रा में शामिल लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए, जो देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करते हैं। यह आयोजन भोपाल के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसमें वे अपने देश के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को प्रदर्शित कर सकते थे।

मेट्रो एंकर सुख सागर उदासीन आश्रम में चल रही कथा

कथा में कान्हा की बाल-लीलाओं का वर्णन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सुख सागर उदासीन आश्रम, बैरागढ़ में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक श्री राम-श्याम जी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म, नामकरण और उनकी अद्भुत बाल-लीलाओं के प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस पावन अवसर पर कथा स्थल पर उपस्थित सैकड़ों धर्मप्रेमी बंधु कृष्णमय हो गए। कार्यक्रम का प्रारंभ भगवान बाल-गोपाल (लड्डू-गोपाल) की भव्य पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कथावाचक श्री राम-श्याम जी ने बालकृष्ण की नटखट लीलाओं का ऐसा मनोहारी वर्णन किया कि सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने बताया कि कैसे बालकृष्ण अपनी मोहक अदाओं से सभी का मन मोह लेते थे। यशोदा मैया के पास उनकी प्रतिदिन शिकायतें आती थीं कि वे माखन चुराकर खा जाते हैं, लेकिन जब मैया पूछतीं तो बालकृष्ण तुरंत मुंह खोलकर दिखा देते कि उन्होंने माखन नहीं खाया। उनकी सखाओं और गोप-ग्वालों के साथ रचाई गई लीलाओं ने श्रोताओं को खूब हंसाया और आनंदित किया। इस विशेष अवसर पर वार्ड 4 के पार्षद और एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रामबंसल, नरेंद्र लालवानी और आजाद सिंह सिसोदिया ने महंत बाबा रामदास उदासीन और कथावाचक श्री राम-श्याम जी का शॉल एवं पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में गुरुमाता राधादेवी उदासीन, मोहनलाल उदासीन, संतोष कुमार उदासीन, गोकुल उदासीन के अलावा नारायणदास सबनानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी, नरेश तोलानी, माधु पारदासानी, बबल आसवानी, लीलाराम लेखवानी, दीपक साधवानी, जैकी लेखवानी, नरेश वासवानी, भगत घनश्याम, मोहनलाल और मनीष साधवानी सहित सैकड़ों की संख्या में धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी कथा सुनकर सभी श्रद्धालु भक्ति भाव में लीन हो गए।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने शुरू हो रहे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम

भोपाल। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से रोजगारोन्मुखी एईडीपी पाठ्यक्रम राज्य सरकार उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रारंभ हो रहे है। अप्रेंटिसशिप अम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के तहत् बी.कॉम पाठ्यक्रम में बी. कॉम एण्ड बैंकिंग फाइनेंस सर्विसेस एण्ड इंश्योरेंस (बी.एफ.एस.आई.) 30 सीट तथा बी. एस. सी. इन टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटीलिटी ऑपरेशन्स (30 सीट) पाठ्यक्रमों की शुरुआत हो रही है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत युवाओं को कौशल आधारित एवं रोजगार उन्मुखी उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। एईडीपी पाठ्यक्रमों की विशेषता यह है कि छात्र एवं छात्राओं को स्नातक की पड़ाई के अन्तिम छः से बारह महीने की अप्रेंटिशिप दी जायेगी, जिसमें उन्हें न्यूनतम 8000 हजार प्रतिमाह का स्टाईफन्ड भी मिलेगा। यह कोर्स विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक ज्ञान देगा बल्कि उन्हें व्यावहारिक अनुभव और उद्योग (इंडस्ट्री) से जुडाव का भी अवसर प्रदान करेगा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. शालिनी सक्सेना ने बताया कि यह कोर्स विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक ज्ञान देगा, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्री से जुडाव का भी अवसर प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।ड़अधिक जानकारी के लिए कॉलेज परिसर में नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार मल्होत्रा, प्राध्यापक (गणित), डॉ. मीनाक्षी सक्सेना, प्राध्यापक (गृहविज्ञान) मोबाइल नंबर 9425124777, डॉ. आशा वर्मा, प्राध्यापक मोबाइल 9424417062 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही महाद्यिालय की वेबसाइट से भी सीधे ही जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देशभर के 142 चुनिंदा प्रवक्ताओं को जातिगत जनगणना पर कांग्रेस का पक्ष रखने के लिए आवश्यक टिप्स दिए। इसमें मध्यप्रदेश से रवि सक्सेना शामिल हुए।

पुलिस मुख्यालय में लिपिकीय भर्ती, अब थानों में ड्यूटी करेगा 'बल'

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मप्र के पुलिस मुख्यालय में लिपिकीय संवर्ग में अब करीब सात वर्ष बाद 400 पदों पर भर्ती का रास्ता खोला गया है। अभी इन रिक्त पदों पर जिला पुलिस बल के जनरल ड्यूटी वाले पुलिसकर्मियों को पदस्थ कर काम लिया जा रहा है। अफसरों का कहना है कि नयी भर्ती के लिये कर्मचारी चयन मंडल को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके पहले वर्ष 2018 में इन पदों पर नियुक्तियां की गई थीं।

फिलहाल तो माना जा रहा है कि कर्मचारी चयन मंडल इसी वर्ष इन पदों

पर नियुक्तियां करेगा। इसका बड़ा लाभ यह होगा कि लिपिकीय कार्यों के लिए दक्ष कर्मचारी मिल सकेंगे। इन्हें कंप्यूटर का ज्ञान भी रहेगा। इनकी पदस्थापना होने के बाद जिला पुलिस बल के जिन पुलिसकर्मियों को पुलिस मुख्यालय में लगाया गया है, उन्हें वापस जिलों में भेज दिया जाएगा, जिससे जिलों में पुलिस बल की कमी कुछ हद तक पूरी की जा सकेगी। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि मुख्यालय की हर शाखा में आवश्यकता के अनुसार इन्हें पदस्थ किया जाएगा। प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वह अपना काम पूरी दक्षता के साथ कर सकें। अभी इस संवर्ग में आरक्षक पद से भर्ती होने के बाद जिला पुलिस बल की तरह पदोन्नति दी जाती है।

37 हजार पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनने तक किया जाएगा संरक्षित

एकात्म धाम की 40 हेक्टेयर जमीन पर सघन एकात्म वन की तैयारी

हाल में मोहन सरकार ने दिया है 2195 करोड़ के अद्वैत लोग को स्वीकृति

दोहपर मेट्रो, भोपाल

ओंकारेश्वर में बन रहे एकात्म धाम क्षेत्र में एकात्म वन भी तैयार किया जाएगा। यह 40 हेक्टेयर में तैयार किया जाएगा। यहां 37 हजार पौधे लगाए जाएंगे, ये जब तक पेड़ों का आकार न ले लें तब तक इन्हें संरक्षित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि ओंकारेश्वर को सरकार एकात्मता के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। इसके लिए 126 हेक्टेयर में एकात्म धाम विकसित किया जा रहा है। यह काम चार चरणों में होना है, पहले चरण का काम 95 फीसद पूरा हो चुका है। इसके पांच मुख्य घटक एकात्मता की मूर्ति, अद्वैत लोक, आचार्य शंकर अंतर राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान, सूचना केंद्र और शंकर निलमय आवासीय परिसर है। इन सभी प्रकल्पों को पूरा करने में करीब 4000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इस केंद्र का मकसद एकात्म भाव का सर्वव्यापीकरण करना है। हाल में

मोहन सरकार ने इंदौर के राजवाड़ा में हुई कैबिनेट बैठक में 2195 करोड़ के अद्वैत लोक को स्वीकृति दी है।

प्रकरण संरक्षण का संदेश देगा लोक

ओंकारेश्वर प्रकृति संरक्षण का संदेश देगा। इसके लिए अद्वैत लोक के तहत किए जाने वाले सभी निर्माण गृह रेटिंग 4 स्टार के तहत किया जाएगा। इसमें जीरो वेस्ट पद्धति को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। उक्त लोक में उपयोग होने वाली प्रत्येक सामग्री अपशिष्ट के रूप में प्रकृति और इंसानी दुनिया के लिए खतरा पैदा नहीं करेगी। मठ-मंदिरों के भवनों, धार्मिक कॉरिडोर, परिसरों की डिजाइन ऐसी होगी कि उनके भीतर दिन में बिजली की कम से कम जरुरत पड़े। जिन क्षेत्रों में प्रकाश की बहुत जरुरत होगी, वहां सौर ऊर्जा के उपयोग का प्रबंध होगा। इसके पीछे दुनिया के लिए चुनौती पैदा कर रहे कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों में पैदा होने वाली कम से कम बिजली का उपयोग करना है। निर्माण कार्यों में पर्यावरण अनुकूलन योग्य निर्माण सामग्रियां उपयोग की जाएंगी।

यही नहीं अपशिष्ट पदार्थों से खाद बनेगी, प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। श्रद्धालुओं के लिए मान्धाता पर्वत व आसपास के क्षेत्रों में बैटरी चलित वाहनों का उपयोग होगा। अद्वैत लोक में पानी प्रबंधन के खास इंतजाम किए जाएंगे। स्वस्थ इंडोर एयर क्वालिटी के लिए मेटेरियल एवं नॉन टॉक्सिक निर्माण सामग्री का उपयोग होगा।

अद्वैत लोक में यह भी होगा

- **7 डायोरमा:** इसके जरिए आचार्य के जीवन चरित्र एवं घटनाओं का रोबोटिक्स एवं विभिन्न आधुनिक माध्यमों से प्रदर्शन किया जाएगा।
- **माया (3डी डोम प्रोजेक्शन गॅलरी) :** सृष्टि की उत्पत्ति, लय एवं विनाश का आधुनिक डोम प्रोजेक्शन द्वारा प्रदर्शन की सुविधा।
- **हाई स्क्रीन थिएटर:** आचार्य शंकर के जीवन पर आधारित फीचर फिल्म को प्रदर्शित करने के लिए 500 लोगों की क्षमता का थिएटर बनेगा।
- **प्रादर्श वीथिकाएं :** सनातन धर्म के विभिन्न आयामों का अत्याधुनिक प्रादर्श वीथिकाओं द्वारा परिचय की सुविधा होगी।
- **शक्ति गैलरी :** श्रीयंत्र एवं शाक्त तंत्र पर आधारित विशिष्ट गैलरी होगी।
- **सन्यास गैलरी :** दशनामी संत परंपरा एवं सन्यास विभिन्न प्रकार नियम एवं विशेषताओं पर आधारित गैलरी होगी।
- **ध्यान केंद्र :** श्रवण, मनन, निधिध्यासन पर आधारित ध्यान केंद्र बनाया जाएगा।
- **कला वीथिका:** भारतीय कला की विभिन्न शैलियों को प्रदर्शित करती कला वीथिका होगी।
- **अन्नपूर्णा:** लगभग 700 की आंतरिक एवं 1000 की बाह्य क्षमता के अन्नपूर्णा परिसर में भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों को परोसे जाने की सुविधा वाले कक्ष होंगे। जिन्हें अन्नपूर्णा-शिल्पग्राम भी कह सकेंगे।
- **कलाग्राम:** भारत को चारों क्षेत्रों (बद्रीनाथ, श्रृंगेरी, पुरी एवं द्वारका की परंपरागत कला एवं शिल्प का प्रदर्शन एवं विक्रय केंद्र होंगे।

कॉलेज प्रवेश: ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए शुल्क निर्धारित, विद्यार्थियों से वसूले जा रहे 100 से 200 रुपए

कियोस्क संचालकों का तर्क : शासन यह भुगतान करेगा, तो विद्यार्थियों से नहीं लेंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश के करीब 1200 निजी और सरकारी कॉलेजों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। उच्च शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए शुल्क भी निर्धारित किया है, लेकिन एमपी ऑनलाइन कियोस्क संचालकों द्वारा मनमर्जी शुल्क वसूली की जा रही है। स्थिति यह है कि विद्यार्थियों से 100 से 200 रुपये तक शुल्क के नाम पर लिया जा रहा है। विभाग ने ई-प्रवेश मोबाइल एप तैयार किया है, जिससे विद्यार्थी पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं। वे एमपी ऑनलाइन के कियोस्क पर जाकर पंजीयन करा रहे हैं। इधर कियोस्क संचालकों तर्क है कि विद्यार्थियों से लिया हुआ शुल्क विभाग में जम कर रहे हैं।

यह है निर्धारित शुल्क

प्रथम चरण में छात्राओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। पूर्व में पोर्टल शुल्क 50 रुपए था छात्राओं के लिए कोई पोर्टल शुल्क नहीं लिया जाता था। विभाग ने वर्तमान सत्र से सभी कोर्स से पोर्टल शुल्क समाप्त कर दिया गया है। द्वितीय चरण से समस्त छात्र/छात्राओं को पंजीयन शुल्क 150 रूपए देना होगा।

जबकि हम स्वयं कियोस्क का संचालन कर रहे हैं, तो उसकी फीस तो हम लेंगे। कियोस्क सेवार्थ नहीं है। रोजगार के लिए दिया गया है। इसलिए हम विद्यार्थियों का फीस के अलावा पोर्टल चार्ज ले रहे हैं। शासन उनके लिए यह भुगतान करेगा, तो विद्यार्थियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेंगे।

अब तक 46 हजार से अधिक पंजीयन

दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, प्रथम राउंड की काउंसलिंग में छात्रों को सौ रुपए और छात्राओं का निशुल्क पंजीयन होना है। अभी तक यूजी में करीब 36 हजार और पीजी में करीब 10 हजार पंजीयन हो चुके हैं। जबकि यूजी और पीजी में लगभग 19 हजार सत्यापन हुए हैं। इसमें विद्यार्थियों से मनमर्जी का शुल्क लिया जा रहा है। विभाग ने अपने सरकारी, निजी और अल्पसंख्यक कॉलेजों की यूजी और पीजी कोर्स में प्रवेश देने दो चरण की काउंसलिंग और एक कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) से प्रवेश देगा। यूजी और पीजी में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी 30 मई तक पंजीयन, 16 से 31 मई तक सत्यान कराएंगे। विभाग पांच जून को सुबह 11 बजे सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी पांच से 12 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

सदस्यता व वोटिंग होगी साथ

एमपी युवा कांग्रेस अध्यक्ष के लिए अब मैदान में 23 दावेदार

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मप्र युवा कांग्रेस में नये अध्यक्ष के लिये जोडतोड चल रही है। इस पद के लिये कई दावेदार हैं जो अपने नेताओं के जरिये जोर लगा रहे हैं। अब इनमें पूर्व मंत्री और जबलपुर विधायक लखन घनघोरिया के बेटे यश का नाम भी जुड गया है। इस पद के लिए नामांकन खत्म होने के बाद जो 23 दावेदार बताए जा रहे हैं, उनमें सबसे मजबूत दावेदारी यश की कही जा रही है। उनके विधायक पिता दरअसल पूर्व सीएम कमलनाथ के खेमे से हैं। माना जा रहा है कि इसी सिलसिले में विंध्य और चंबल से समर्थन के लिए घनघोरिया ने पिछले हफ्ते पूर्व मंत्री अजय सिंह के निवास पर जाकर इन क्षेत्रों के कांग्रेसी दिग्गजों से बेटे की मुलाकात कराई। हालांकि भोपाल के अभिषेक परमार और ग्वालियर के एनएसयूआई नेता शिवराज यादव के नाम भी चर्चा में हैं।

इससे पहले अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने वालों के खिलाफ दावे-आपत्ति की तारीख 22 मई कर दी गई थी। बताया जाता है कि सदस्यता और वोटिंग एक साथ होगी, जो कि एक महीने तक चलेगी। सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले तीन लोगों का युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मप्र युवक कांग्रेस के प्रभारी मिलकर इंटरव्यू लेंगे और फिर अध्यक्ष का नाम घोषित करेंगे।

बर्खास्त पंचायत सचिव ने बढ़ा दी टेंशन, आयुक्त को आना पड़ा सामने

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश के एक बर्खास्त पंचायत सचिव ने पंचायत विभाग की टेंशन बढ़ा रखी है जिससे बचने के लिए पंचायत राज संचालनालय के संचालक सह आयुक्त को सामने आना पड़ा है। मामला पंचायत सचिव संगठन से जुड़ा है, उक्त बर्खास्त सचिव अभी भी उक्त संगठन का खुद को अध्यक्ष बताकर सचिवों के मामलों को लेकर विभागों में पहुंच रहे हैं। इसी बात से संचालक सह आयुक्त ने रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा है।

पंचायत राज संचालनालय के संचालक सह आयुक्त् छोटे सिंह ने दिनेश शर्मा के खिलाफ रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं को लिखे पत्र में बताया कि दिनेश शर्मा 2018 में पंचायत सचिव के पद से बर्खास्त किए जा चुके हैं, तब भी कार्यालय में पंचायत सचिव संगठन के अध्यक्ष के रूप में पत्राचार कर रहे हैं, उनके खिलाफ प्रकरण भी दर्ज, वसूली जैसी गंभीर शिकायतें मिल रही हैं।

रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं के अफसर चुप

तो जा सकती है मान्यता

यदि पंचायत सचिव संगठन के बीच की लड़ाई में रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं ने ठीक से निर्णय और वह भी समय पर नहीं लिया गया तो यह संगठन भी विवादों में उलझता चला जाएगा। कर्मचारियों का कहना है कि कुछ अफसर कर्मचारियों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने वाले संगठनों को आपस में उलझना चाहते हैं, समय पर सही को सही और गलत को गलत नहीं करते।

शासकीय सेवा से बर्खास्त किए जाने के बाद वह संघ के अध्यक्ष के तौर पर पत्राचार कर रहे हैं, जो कि नहीं कर सकते। उनके खिलाफ दूसरी भी शिकायतें मिल रही है, इसलिए कार्रवाई करें।

संचालक सह आयुक्त् के पत्र के बावजूद रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं के रजिस्ट्रार कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

मेट्रो एंकर पर्यटकों को मिलेंगी योग ध्यान व आयुर्वेदिक उपचार सुविधा

मप्र को आयुष डेस्टिनेशन बनाने के प्रयास, नए वेलनेस सेंटर खुलेंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल

अब मध्यप्रदेश आयुर्वेद और पर्यटन का नया केंद्र बन सबता है, यदि सब कुछ योजना के मुताबिक होता रहे। इससे पर्यटकों के लिए पंचकर्म और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, राज्य सरकार और पर्यटन विभाग मिलकर प्रदेश को आयुष डेस्टिनेशन के रूप में विकसित कर रहे हैं। इन केंद्रों में आयुष मंत्रालय से प्रमाणित सेवाएं मिलेंगी। फिलहाल भोपाल और नरसिंहपुर में 50-50 बिस्तरों वाले दो केंद्र संचालित हो रहे हैं। जबकि महेश्वर, सीहोर, इंदौर, अमरकंटक, पन्ना, बालाघाट और श्योपुर में 50

बिस्तरों वाले केंद्र निर्माणाधीन हैं। वर्ष 2025-26 तक खजुराहो और उज्जैन में भी ऐसे ही केंद्र शुरू होंगे। इसके अलावा पचमढ़ी, आगर मालवा, चंदेरी, मंदसौर, सिंगरौली, ओरछा, चित्रकूट, दतिया और ओंकारेश्वर में 10-10 बिस्तरों वाले केंद्र प्रस्तावित हैं।

जानकारी के मुताबिक इन केंद्रों में आयुर्वेदिक चिकित्सक, प्रशिक्षित थैरेपिस्ट, योग और ध्यान केंद्र, हर्बल औषधियों से इलाज की सुविधा होगी। निर्माण पर्यावरण के अनुकूल होगा। विदेशी पर्यटकों के लिए प्रशिक्षित गाइड और अनुवादक भी रहेंगे।

सरकार का उद्देश्य विदेशी और देशी पर्यटकों को आयुर्वेदिक उपचार के साथ प्राकृतिक पर्यटन का अनुभव देना है। इससे प्रदेश में वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान मिलेगी।

संपादकीय

समय रहते संभलने का समय आया

कोविड महामारी का घातक दौर कोई भूल नहीं सकता, बल्कि इसे याद करने से भी बचता है लेकिन अब कई साल बाद भी इसका वायरस सक्रिय रहना चिंता में डालता है। हाल के दिनों में कोविड के मामले तेजी से बढ़े हैं और भारत में भी अब तक इसके ढाई सौ से ज्यादा सक्रिय मामले दर्ज हो चुके हैं। हालांकि 1.4 अरब की आबादी वाले इस देश में यह संख्या बहुत मामूली लग सकती है लेकिन इस पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य कर्मियों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले समूहों मसलन बुजुर्गों और बच्चों के लिए कोविड खासा दिक्कतदेह हो सकता है। यह वायरस बहुत संक्रामक है। कोविड का बार-बार सिर उठाना बताता है कि यह अब स्थानीय बीमारी में बदल चुका है। संक्रमण में हालिया इजाफे की कई वजह हो सकती हैं। इनमें टीके से मिली रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म होना, बूस्टर खुराक न लेना और सामूहिक प्रतिरक्षा का कमजोर पड़ना शामिल हो सकता है। देश में टीकाकरण के प्रयास भी ढीले हो गए हैं। यह नया सब-वैरिएंट बताता है कि वायरस अपना रूप बदलने और खुद को ढालने में सक्षम है। ऐसे में मौजूदा टीकों की क्षमता भी सवालों के घेरे में है। प्रतिरक्षा कमजोर पड़ने की संभावना का भी सरकार द्वारा समुचित अध्ययन किया जाना चाहिए। टीकाकरण के शुरुआती दौर के बाद जहां मौत और अस्पताल में दाखिलों की तादाद में तेजी से कमी आई थी वहीं ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उनसे मिला बचाव समय के साथ खत्म हो रहा है। यानि वायरस के नए रूपों में सामने आने के साथ ही नई टीकाकरण नीति भी अपनानी होगी। कई विकसित देश कोविड टीके की बूस्टर खुराक हर साल लगाने की पेशकश कर रहे हैं, खासतौर पर उन समूहों को जो अधिक जोखिम में हैं। बुजुर्गों को, गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोगों को और स्वास्थ्यकर्मियों को नियमित रूप से टीकाकरण में प्राथमिकता देनी चाहिए। ये टीके भी बदलते वैरिएंट के लिहाज से उन्नत होने चाहिए। एमआरएनए का विज्ञान ऐसा है कि उस पर आधारित टीकों को अपेक्षाकृत जल्दी बदला जा सकता है और टीके लगाने का बुनियादी ढांचा पहले से मौजूद है। कोविन ऐप को बड़े स्तर पर इस्तेमाल करने की क्षमता के कारण हम महामारी के दौरान लाखों लोगों को बहुत कम समय में टीका लगा सके। अब जागरूकता अभियान भयभीत करने के लिए नहीं बल्कि बचाव के सरल मगर कारगर व्यवहार पर जोर देने के लिए चलाए जाने चाहिए। भीड़-भाड़ वाली सार्वजनिक जगहों पर मास्क पहनें, नियमित रूप से हाथ साफ करें और कम हवादार जगहों पर जाने से बचना भी जरूरी है। सकारात्मक बात यह है कि हालिया वैश्विक घटनाक्रम देखते हुए हम तैयारी को लेकर सचेत हैं। तीन सालों की गहन बातचीत के बाद एक वैधानिक रूप से बाध्यकारी महामारी समझौता मंजूर किया जा चुका है। इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों की हालिया स्वास्थ्य असेंबली में मंजूर किया गया। यह समझौता कहता है कि टीके और जरूरी संसाधन सभी को उपलब्ध होने चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी की पुख्ता योजना होनी चाहिए। हालांकि रोगाणु और डेटा साझेदारी से संबंधित पैथोजन एक्सेस ऐंड बेनिफिट शेयरिंग सिस्टम्स (पीएबीएस) पर बातचीत जारी है। भारत के लिए इन वैश्विक मानकों से जुड़ना और अंतरराष्ट्रीय ढांचे में सक्रिय भागीदारी करना बहुत अहम है। जरूरत इस बात की भी है कि जीनोम निगरानी को मजबूत किया जाए ताकि फैल रहे रोगाणुओं को पहचाना जा सके।अन्य देशों की तरह भारत ने भी कोविड के दौरान हर स्तर पर नुकसान सहा है। इसलिये बीमारी को समझने और इसे रोकने से बेहतर कुछ नहीं है।

फील्ड मार्शल या फेल्ड मार्शल? असीम मुनीर का अगला प्रमोशन राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद पर?

■ नीरज कुमार दुबे

फील्ड में हारने वाले को वैसे तो फेल्ड कहते हैं लेकिन पाकिस्तान ऐसे लोगों को फील्ड मार्शल कहता है। देखा जाये तो भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान बुरी तरह पिटने वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मौलाना असीम मुनीर को पाकिस्तान सरकार की ओर से प्रमोशन देकर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना उसी पुरानी कड़ी का दोहराव है जिसके तहत हर हार के बाद पाकिस्तानी सेना को वहां का शासन 'हार' पहनाता है।इसके अलावा, अपनी सेना के विफल होने के बावजूद जिस तरह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की हर मंच से जमकर तारीफ की और फिर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना पड़ा वह दर्शाता है कि वह नहीं चाहते कि जैसा उनके भाई ने भुगता वैसा ही वह भी भुगतें। उल्लेखनीय है कि शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ की सत्ता को पलट कर तत्कालीन पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान की सत्ता संभाल ली थी। असीम मुनीर भी पाकिस्तान पर राज करना चाहते हैं यह बात वहां के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भलीभांति जानते हैं इसलिए वह पर्दे के पीछे से सारा नियंत्रण असीम मुनीर को चलाने दे रहे हैं ताकि उनकी खुद की गाड़ी भी चलती रहे। जरदारी और शहबाज अच्छी तरह जानते हैं कि उनका अपने पद पर बने रहना लोकतंत्र पर नहीं, बल्कि मुनीर की कृपा पर निर्भर करता है। फील्ड मार्शल बनने के

अपनी सेना के विफल होने के बावजूद जिस तरह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की हर मंच से जमकर तारीफ की और फिर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना पड़ा वह दर्शाता है कि वह नहीं चाहते कि जैसा उनके भाई ने भुगता वैसा ही वह भी भुगतें।

बाद असीम मुनीर अगली पदोन्नति के रूप में कौन-सा पद चाहेंगे यह देखने वाली बात होगी, वैसे यह तो है कि पाकिस्तान के इतिहास में इस पद पर पदोन्नत होने वाले वह दूसरे शीर्ष सैन्य अधिकारी बन गये हैं। उनसे पहले जनरल अयूब खान को 1959 में फील्ड मार्शल का पद दिया गया था। मुनीर ने पाकिस्तान की दोनों शक्तिशाली जासूसी एजेंसियों- आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) का नेतृत्व किया है। वह पाकिस्तान के इतिहास में स्खु और ढुस्खु दोनों का नेतृत्व करने वाले एकमात्र अधिकारी हैं और पहले ऐसे सेनाध्यक्ष भी हैं जिन्हें प्रतिष्ठित ÷स्वॉर्ड ऑफ ऑनर÷ से सम्मानित किया गया है। असीम मुनीर ने नवंबर 2022 में सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने जनरल कमर जावेद बाजवा का स्थान लिया था जो लगातार तीन वर्षीय दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए थे।

वैसे असीम मुनीर ने अब तक कोई लड़ाई जीती नहीं है और सिर्फ कट्टरपंथ को ही आगे बढ़ाया है। लेकिन फिर भी उनकी पदोन्नति को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए यह याद करना ज़रूरी है कि पाकिस्तान के पहले फील्ड मार्शल अय्यूब ख़ान अपने देश के पहले सफल सैन्य तख्तापलट के सूत्रधार भी थे। 1958 में तत्कालीन राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्ज़ा के समर्थन से अय्यूब ख़ान ने मार्शल लॉ लागू किया और जल्द ही राष्ट्रपति पद से मिर्ज़ा को हटाकर स्वयं सत्ता संभाल ली थी। यही वह उदाहरण था जिसने पाकिस्तान में सैन्य शासन की परंपरा को जन्म दिया और सेना के नागरिक शासन में दखल को सामान्य बना दिया।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान में फील्ड मार्शल के प्रभाव की कोई संवैधानिक सीमा नहीं है, खासकर उस व्यवस्था में जो बार-बार अपने ही संविधान की अनदेखी करती है। इतिहास भी यही दर्शाता है कि पाकिस्तान में सत्ता मतपेटियों में नहीं, सेना की छावनियों में रहती है। पाकिस्तान का इतिहास यही बताता है कि सरकार के नेतृत्व के लिए यही बेहतर होता है कि वे अपने पासपोर्ट हमेशा तैयार रखें। दरअसल पाकिस्तान में नाममात्र का लोकतंत्र है, वास्तव में वह शुरू से ही सेना-प्रधान राष्ट्र बना हुआ है।

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1689: ब्रिटिश संसद ने प्रोटेस्टेंट ईसाइयों को धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी प्रदान की।
- 1885: सैयद अहमद खान ने अलीगढ़ में मोहम्मदीन एंग्लो ओरिएंटल स्कूल की स्थापना की। इसे अब अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है।
- 1883: ब्रुकलिन और मैनहट्टन को जोड़ने वाले ब्रुकलिन ब्रिज को यातायत के लिए खोला गया।
- 1915: थॉमस अलवा एडिसन ने टेलीस्क्राइब का आविष्कार किया।
- 1931: पहली वातानुकूलित यात्री ट्रेन अमेरिका के वाल्टमोर ओहियो मार्ग पर चलाई गई।
- 1959: साम्राज्य दिवस का नाम बदलकर राष्ट्रमंडल दिवस किया गया।
- 1985: बांग्लादेश में चक्रवाती तूफान से 10 हजार लोगों की मौत।
- 1986: मार्गरेट थैचर इजराइल का दौरा करने वालीं पहली ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनी।
- 1994: न्यूयार्क सिटी में 1993 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर बम हमला करने वाले चार आरोपितों में से प्रत्येक को 240 वर्ष कैद की सजा सुनाई गई।
- 1994: मीना (सऊदी अरब) में हज से जुड़े एक समारोह में भगदड़ मच जाने से 250 लोगों से भी अधिक जायरीनों की मृत्यु।
- 2000: दक्षिण लेबनान से 22 साल का खूनी दौर समाप्त कर इजराइली सेना वापस लौटी।
- 2001: नेपाल के 15 वर्षीय शेरपा तेंबा शेरी माउंट एवरेस्ट की चोटी का फतह करने वाले सबसे कम उम्र का पर्वतारोही बना।
- 2002: नेपाल में नेपाली कांग्रेस ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को नेपाली कांग्रेस पार्टी से निलंबित किया।
- 2003: इजराइल के तत्कालीन प्रधानमंत्री एरियल शैरोन ने पश्चिम एशिया शांति योजना को स्वीकार किया।
- 2004: उत्तर कोरिया ने मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाया।
- 2005: एनबी इंकबेयर मंगोलिया के राष्ट्रपति चुने गए।
- 2007: एमा निकोलसन रिपोर्ट यूरोपीय संघ की संसद में पारित।
- 2014: थाईलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री थिंगलक शिनावात्रा को सैन्य तख्तापलट के बाद गिरफ्तार किया गया।

सत्य बात हमेशा ही कठोर होती है।
- कुशवाहा कान्त

निशाना

टिप्पणी का काल !

-कृष्णेन्द्र राय

चल रहा है आजकल ।
टिप्पणी का काल ।।
बोलना है कुछ भी ।
अब हमको हर हाल ।।
ना भाती खामोशी ।
करे भावना शोर ।।
हैं बैठे हम पद पर ।
करे कोई गौर ।।
शब्दों और विचारों की ।
है आई बहार ।।
करें प्राप्त कहीं भी ।
यही समाचार ।।
होकर शामिल मुहिम में ।
करें जरा उपकार ।।
टिप्णी हमारी ये ।
क्यों जानी बेकार ?

देश के किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

■ ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और

उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी।

बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

(साभार: यह लेखक के निजी विचार हैं)

तंबाकू निषेध गतिविधि के लिए उपमुख्यमंत्री ने दिलाई शपथ

नर्मदापुरम. उप मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तर पर ऑनलाइन लिंक के माध्यम से सामूहिक शपथ दिलाई गई। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुनीता नागेश, आरबीएसके क्वारर्डिनेटर कविता साल्वे, डैम अखिलेश गीते, जिला इंफोर्समेंट दल सदस्य सुनील साहू और कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी शपथ ग्रमण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने तंबाकू मुक्त भारत, स्वस्थ्य भारत पर जोर दिया। उन्होंने समाज और देश में कैंसर, टीबी रोग को रोकने के लिए तम्बाकू उत्पाद के हानिकारक प्रभावों से जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने जन जन तक तम्बाकू निषेध गतिविधि पहुंचाने की अपील की।

उत्तीर्ण व अनुत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिए 25 मई तक कर सकते है आवेदन

नर्मदापुरम. मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट द्वितीय परीक्षा के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार, सत्र 2024-25 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन 07 मई से 21 मई 2025 तक आवेदन पत्र भरने की तिथि निर्धारित की गई थी। तत्संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा छात्र हित को दृष्टिगत रखते हुए हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा 2025 के लिए आनलाईन परीक्षा फार्म भरने की पुनः तिथि निर्धारित की गई है। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिए अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिए 25 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी छात्र अपने उत्तीर्ण विषयों में अंक सुधार के लिए आवेदन नहीं कर सकेगा। तथा हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों के लिए 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा 2025 के ऑनलाइन परीक्षा आवेदन भरने के लिए जारी किए गए शेष निर्देश यथावत लागू रहेंगे।

तारादेही थाने के आरक्षक और प्रधान आरक्षक को टीआई ने दी विदाई

तेन्दूखेड़ा! तारादेही थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक भूपेंद्र सिंह राजपूत एवं आरक्षक ओंकार पटेरिया के स्थानांतरण होने पर शुक्रवार को थाना प्रभारी राजीव पुरोहित एवं पुलिस स्टाफ व तारादेही सरपंच सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा इन्हें भावभीनी विदाई दी गई दरअसल बीते दिन प्रधान आरक्षक भूपेंद्र सिंह राजपूत का बांदकपुर चौंकी एवं आरक्षक ओंकार पटेरिया का हटा थाना में स्थानांतरण हो गई थी जिसके चलते शुक्रवार को थाना प्रभारी एवं समस्त स्टाफ द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें तारादेही ग्रामवासी जनप्रतिनिधि और पत्रकारों ने शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी ग्रामवासियों का कहना है कि तारादेही पुलिस स्टाफ द्वारा सभी त्यौहारों पर्व एवं कार्यक्रमों में अपनी अहम भूमिका निभाई है गरीब लोगों की मदद की है साथ ही अपराधों पर अंकुश लगाया है क्षेत्र में गिने-चुने विवाद ओर अन्य मामले सामने आते हैं तारादेही ग्राम सहित आसपास के ग्रामों में पुलिस का हमेशा लोगों को सहयोग मिलता आ रहा है थाना प्रभारी राजीव पुरोहित ने कहा कि भूपेंद्र राजपूत और ओंकार पटेरिया द्वारा हमेशा मेरा सहयोग किया है उन्होंने कहा कि अच्छे कर्मचारी आज विदा ले रहे हैं जिनकी कमी हमेशा महसूस होगी लेकिन स्थानांतरण एक प्रकिया है।

महिला बाल विकास द्वारा बाल विवाह को शून्य घोषित करने भेजा प्रतिवेदन

तेंदूखेड़ा। महिला एवं बाल विकास परियोजना तेन्दूखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी सिंगौरगढ़ के ग्राम पड़रिया में बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर बाल विवाह को शून्य घोषित किए जाने एवं बाल विवाह में शामिल सदस्यों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने के लिए शुक्रवार को परियोजना अधिकारी कैलाश राय एवं पर्यवेक्षक श्रीमति प्रेमवती यादव द्वारा थाना प्रभारी तेजगढ़ को करौंदी सिंगौरगढ़ के ग्राम पड़रिया में कारित किए गए बाल विवाह के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रतिवेदन दिया गया है। बाल विवाह कारित होने की सूचना प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी जयवंत वर्मा द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 09, धारा 10 एवं धारा 11 के अंतर्गत कार्यवाही किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए थे। जिसके परिपालन में पर्यवेक्षक श्रीमति प्रेमवती यादव एवं आनंद कुर्मी द्वारा शुक्रवार को स्थल पर जाकर निरीक्षण किया, जिसमें बाल विवाह कारित होना पाया गया। पर्यवेक्षकों द्वारा उक्त संबंध में पंचनामा प्रतिवेदन तैयार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु अनुशंसा की गई। परियोजना अधिकारी कैलाश राय द्वारा थाना तेजगढ़ में स्वयं उपस्थित होकर संबंधितों के द्वारा उक्त विधि विरूद्ध विवाह एवं उसमें शामिल लोगों के विरूद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 09, धारा 10 एवं धारा 11 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधि अनुसार कार्यवाही किए जाने हेतु आवेदन प्रदाय कर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

प्रमुख सचिव ने नर्मदापुरम संभाग में नल जल योजना पूर्ण करने की समय सीमा तय की

जल जीवन मिशन अभियान को हर हाल में पूरा किया जाए : पी नरहरि

पूर्ण हो चुकी नल जल ग्राम पंचायतो को हैंडोवर करें

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी नरहरि ने सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एवं सब इंजीनियरों को निर्देशित किया कि वह सभी रिसोर्स और संसाधन लगाकर जल जीवन मिशन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों की हर घर नल जल योजनाओं का कार्य हर हाल में पूरा कराए। प्रमुख सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत बजट की कोई कमी नहीं है अतः अतिरिक्त सोर्स लगाकर सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतो में नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर पूर्णता का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए तथा पूर्ण हो चुकी नल जल योजना ग्राम पंचायत को प्राथमिकता से हैंडोवर भी की जाए। श्री नरहरि ने बताया कि ग्राम पंचायते नल जल का रखरखाव एवं संचालन करेंगी एवं लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग

इस पर पॉलिसी बनाएगी। श्री नरहरि ने हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले की ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन के तहत अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। प्रमुख सचिव ने हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के सभी विकासखंड में योजना पूर्ण करने की समय सीमा भी तय की।

शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम के सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की संभाग स्तरीय समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव पी नरहरि ने अब तक हर घर नल कनेक्शन के किए गए कार्य पर अपेक्षित प्रगति न लाने पर सभी संबंधित एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एवं सब इंजीनियर के प्रति नाराजगी व्यक्त की और सभी को चेतावनी दी की तय की गई समय सीमा में नल जल योजना के कार्य पूर्ण किये जाए अन्यथा समय सीमा में कार्य न करने वालो पर नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान नर्मदापुरम में शेष रह गए 26 हजार नल कनेक्शन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एवं सब इंजीनियरों को निर्देश दिए कि वे गांव की सूची बना ले एवं कितने कार्य लंबित हैं इसका आकलन कर लें। उन्होंने कहा की जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य करने वाली एजेंसी एवं ठेकेदार को सख्त निर्देश जारी किए जाएं कि वह समय सीमा में कार्य पूर्ण करें। प्रमुख सचिव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अपने अधिकारियों की टीम जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के लिए भेजी जा रही है, उन्होंने सभी को चेतावनी दी की जल जीवन मिशन के अंतर्गत कोई भी फर्जी डाटा ना दें, जो वास्तव में हर घर नल कनेक्शन हुआ है उसी कार्य से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जिला पंचायत का अमला लगाकर नल जल योजना के कार्य पूर्ण कराए।

प्रमुख सचिव ने कहां की वास्तव में ही लोगों को अपने घरों में पानी मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अब तक किए गए कार्य के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की और कहां की विगत 4 वर्षों से जल जीवन मिशन अभियान संचालित किया जा रहा है लेकिन अब तक इस कार्य में आशा अनुरूप अपेक्षित प्रगति नहीं आई है।

प्रमुख सचिव ने नल कूप खनन के दौरान लापरवाही पूर्वक गड्ढे खुले छोड़ने एवं पाइप लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई करके वापस सड़क का भराव ना करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहां की ऐसी स्थिति में यदि कोई दुर्घटना होती है तो संबंधित इंजीनियर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी को निर्देश दिये कि खुले बोरवेल के गड्ढे ढक्कर रखे जाएं उन्होंने हर घर कनेक्शन का प्रमाणिक करण प्रमाण पत्र लेने के भी निर्देश दिए हैं। नर्मदापुरम संभाग कमिशनर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सभी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार की ड्यूटी लगाकर भी जल जीवन मिशन के कार्य को पूर्ण कराए। प्रमुख सचिव पी नरहरि ने जिलेवार जल जीवन मिशन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे हर घर नल कनेक्शन अभियान की समीक्षा की।

हर घर नल 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए

प्रमुख सचिव पी नरहरि ने बनखेड़ी के शेष रह गए हर घर नल कनेक्शन का कार्य 10 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने केसला के शेष रह गए 1812 नल कनेक्शन को 30 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए की माखन नगर के शेष रह गए 4410 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, नर्मदापुरम के शेष रह गए 46 19 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, पिपरिया के शेष रह गए 3028 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, सोहागपुर के शेष रह गए 3750 नल कनेक्शन 20 जून तक तथा सिवनी मालवा के शेष रह गए 6158 हर घर नल कनेक्शन 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने हर के जिले के शेष रह गए 2160 हर घर नल कनेक्शन का कार्य 15 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैतूल जिले के आमला में शेष रह गए 1001 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, आठनेर के 35 नल कनेक्शन 30 जून तक, बैतूल के 213 शेष बचे नल कनेक्शन 30 जून तक, भेसदेही के शेष रह गए 566 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, भीमपुर के 2655 शेष रह गए नल कनेक्शन 30 जून तक, चिचोली के शेष रह गए नल कनेक्शन 31 जुलाई तक, घोड़ा डोंगरी के शेष रह गए 925 नल कनेक्शन 30 जून तक, मुलताई के 155 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक, प्रभात पटनम के शेष रह गए 2299 नल कनेक्शन 15 जुलाई तक तथा शाहपुर के शेष रह गए 386 हर घर नल कनेक्शन 15 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

किसान के रुपयों से भरा थेला चोरी करने वाले को किया गिरफ्तार

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

विगत दिनों थाना देहात में ग्राम रोजरू अंबानगर निवासी किसान बशीम खान द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि नवीन गल्ला मंडी गंजबासौदा में फसल बेचने के उपरांत विक्रय की रकम एक लाख सत्तर हजार नगद जो मोटरसाइकिल पर थैले में रखी थी। उसे अज्ञात व्यक्ति द्वारा गांव लौटते समय चोरी कर लिया गया। इस पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी मनोज कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों में प्रभावी कार्यवाही हेतु थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्रवाई की गई जिसमें जसवंत सिंह निवासी खुली जेल मोहल्ला मुंगावली जिला अशोकनगर, हाल मुकाम गुलखेड़ी थाना बोडा जिला राजगढ़ को गिरफ्तार कर उसके पास से एक लाख सत्तर हजार रुपए जब्त किए हैं। वहीं पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी किसानों की मंडियों में रेकी कर फसल बेचने के उपरांत घर लौटते समय उनके पास रखी नगदी पर नजर रखता था और अवसर पाकर चोरी करता था। इसके अलावा आरोपी शादियों एवं सामाजिक आयोजनों में भी रेकी कर वहां से भी चोरी की घटनाएं अंजाम देता था।

इस कार्रवाई में निरीक्षक आशुतोष सिंह, सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, शिशुपाल, अजय साहू एवं सचिन जाट की विशेष भूमिका रही।

संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास द्वारा किया गया आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण

शुद्ध व सटीक ऑकड़े पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करने हेतु निर्देश दिये

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम एच0के0शर्मा द्वारा शुक्रवार 23 मई 2025 को जिला नर्मदापुरम अंतर्गत् महिला एवं बाल विकास परियोजना-नर्मदापुरम शहरी अंतर्गत् संचालित आंगनबाडी केन्द्र क्रमशः वार्ड कं0-9 केन्द्र कं0-1 एवं वार्ड कं0-14 केन्द्र कं0-1 का औचक भ्रमण किया गया।

संयुक्त संचालक द्वारा आंगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण में प्रतिमाह आयोजित होने वाले वजन अभियान अंतर्गत् बच्चों का सही-सही शरीरिक माप लेने तथा शुद्ध व सटीक ऑकड़े पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करने हेतु निर्देश दिये गये। कुपोषित बच्चों पर विशेष निगरानी रखने, आवश्यक उपचार कराने, स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आवश्यक 5 प्रकार की दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती करने हेतु निर्देश दिये गये। बच्चों माता-पिता को बच्चे के वजन की प्रगति से निरंतर अवगत कराते रहें एवं खाने में पौष्टिकता

बनाये रखने हेतु क्या-क्या खाना है, उनको बताते रहें।

संयुक्त संचालक द्वारा निर्देशित किया गया कि आंगनबाडी कार्यकर्ता की संपर्क एप में प्रतिदिन उपस्थिति तथा प्रतिदिन आंगनबाडी केन्द्र खुलने की पोषण ट्रेकर एप में प्रविष्टि सुनिश्चित की जावे। आंगनबाडी केन्द्र की सर्वेक्षित जनसंख्या अनुसार वर्ष 2024 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर निर्धारित अनुपात में गर्भवती माता, धात्री माता, 6 माह से 3 वर्ष के बच्चे तथा 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों का पंजीयन पोषण ट्रेकर एप शतप्रतिशत प्रविष्ट किया जावे। कोई भी हितग्राही पंजीयन से छूटना नहीं चाहिये। पंजीकृत हितग्राहियों का आधार सत्यापन भी पोषण ट्रेकर एप में अनिवार्यतः नियमित रूप से किया जावे। पोषण ट्रेकर में दर्ज समस्त आधार सत्यापित हितग्राहियों का शतप्रतिशत एफआरस एवं ईकेवाईसी का 31 मई 2025 के पूर्व किया जाना सुनिश्चित करें। आंगनबाडी केन्द्र निर्धारित समय पर खोलें, नियमित रूप से साफ-सफाई रखी जावे तथा हितग्राहियों को निर्धारित मीनू अनुसार टी0एच0आर एवं गर्म ताजा पका नाश्ता/भोजन प्रदाय किया जावे। आंगनबाडी केन्द्र में बच्चों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जावे।

पोषण ट्रेकर एप में प्रतिदिन एन्ट्री की जाये। क्षेत्र का गहन सर्वे कर विभागीय योजनाओं के लाभ से सभी हितग्राहियों को जोड़े एवं लाभांवित करायें। कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे, ऐसा सुनिश्चित करें। लाडली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना का लाभ लेने हेतु आवश्यक दस्तावेजों यथा- समग्र आईडी, आधार, डीबीटी, बैंक से लिंकेज आदि के संदर्भ में हितग्राहियों को मार्गदर्शन एवं सहयोग करते रहें। संपर्क एप एवं पोषण ट्रेकर एप की डाटा प्रविष्टि पर विशेष ध्यान दिया जावे।

मेट्रो एंकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद तिरंगा यात्रा निकालकर देश की सेना का बढ़ाया जा रहा गौरव

भारत माता की भव्य झांकी सजाकर नगर में निकाली तिरंगा यात्रा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सम्पूर्ण देश में तिरंगा यात्रा निकालकर देश की सेना का गौरव बड़ाया जा रहा है। जिसके चलते शाम साढे पॉच बजे नगर के तारादेही चैगडडा से बग्गी पर भारतमाता की झाकी सजाकर बैंड गाजे बाजे डीजे के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई है। तिरंगा यात्रा में आगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं विभागो के अधिकारी व नगर के जनप्रतिनिधियों के साथ आम नागरिक भी शामिल हुए जो अपने अपने हाथो में तिरंगा लेकर चल रहे थे। तिरंगा यात्रा में सभी भारत माता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। तिरंगा यात्रा मुख्य मार्गो से होकर पुनः तारादेही चैगडडा पहुंची जहां पर यात्रा का समापन किया गया। यात्रा में नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, मूरत सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, रश्मि साहू, राजेश यादव सतेन्द्र जैन, केएल चैकसे, रघुवीर सिंह ठाकुर, शुभम जैन, राजू रसियां, दीपक कटारे, महेन्द्र पाटकार, ईश्वर बेन, भागचंद जैन, मुन्ना विश्वकर्मा हलकेभाई वेन, दिनेश साहू, तरूण खरे, गुडडा पाल, चेतन जैन, उदय सेन के अलावा सैकड़ो लोग मोजूद रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल हुए सैकड़ों राष्ट्रभक्त

गंजबासौदा। भारतीय सेना के जोरदार पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से प्रत्येक भारतीय उत्साहित है और तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं इसी तारतम्य में विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी के नेतृत्व में निकाली गई जो कि रेलवे स्टेशन हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग सुभाष चौक, नेहरू चौक, अम्बेडकर चौक, जय स्तंभ चौक, सावरकर चौक होती हुई गांधी चौक पहुंची जहां तिरंगा यात्रा समापन हुआ। भव्य तिरंगा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में नागरिक हाथ में तिरंगा लेकर चल रहे थे। एक बग्गी में भारत माता की झांकी सजाई गई थी। आगे डीजे पर राष्ट्र भक्ति के गीत बज रहे थे। मानो प्रत्येक नागरिक राष्ट्र भक्ति में सराबोर हो दो किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा का समापन गांधी चौक पर हुआ। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नपा अध्यक्ष शशि यादव, वरिष्ट भाजपा नेता राजेश तिवारी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश सिंह जादौन,बजरंग दल नेता नीलेश अग्रवाल सहित सैकड़ों की संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

श्री की प्राप्ति के लिए आयोजित हो रहा श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

सिरोंज। क्षत्रिय दांगी समाज द्वारा आयोजित बाबा विश्वनाथ धाम देवपुर आयोजित हो रहे 121 कुण्डीय महालक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हो रहा है। पूज्य आचार्य पंडित श्री नलिनीकांत शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे यज्ञ में दांगी समाज के यजमान बंधु जनकल्याण के लिए नित्य आहुतियां दे रहे हैं। शुक्रवार को पंचम दिवस का हवन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमे हवन में बैठी हुई महिलाओं ने सुंदर फूलों से सजावट की । हवन प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं दोपहर 02 बजे से शाम 05 बजे तक सम्पन्न हो रहा है । यज्ञ परिसर में ही प्रतिदिन सांवरिया सरकार कथा व्यास मनोहर कृष्ण जी शास्त्री के श्री मुख से श्रीमद् भागवत कथा का संगीतमय आयोजन भी किया जा रहा है कथा में आज श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन हुआ जिसमे सभी भक्त मंत्र मुग्ध नजर आए । रात्रि में 09 बजे से रामलीला का भव्य आयोजन भी किया जा रहा है । महायज्ञ का समापन 27 मई को होगा। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी समस्त दांगी समाज द्वारा किया जाएगा। पूर्णाहुति के अवसर पर समिति द्वारा सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से भंडारे में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर में 319433 स्क्रीनिंग हुई

सिरोंज। विदिशा राज्य शासन के द्वारा 100 दिवसीय शिविर (कैम्पीयन) का आयोजन किया गया था। जिसमें जिले को 303555 स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसके विरूद्ध विदिशा जिले के द्वारा 319433 स्क्रीनिंग की गई हैं जो कि 105 प्रतिशत रहा। जिसमें जिले के द्वारा 644 मरीजों चिन्हांकित कर उपचारत किया गया एवं सभी को पोषण आहार वितरण किया गया। इसी क्रम में राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार जिले में कम से कम 30 प्रतिशित या उससे अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। विदिशा जिले की 183 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हुई जिसके परिपालन में विभाग के द्वारा 577 ग्राम पंचायतों के विरूद्ध 183 पंचायतों टीबी मुक्त किया गया है, जिसमें गंजबासौदा की 36 ग्राम पंचायतें, ग्यारसपुर की 24, कुरवाई की 18, लटेरी की 10, नटेरन की 27, सिरोंज की 36 और विदिशा (पीपलखेड़ा) की 32 ग्राम पंचायतें शामिल हैं, जो शासन कि द्वारा निर्धारित लक्ष्य का शत-प्रतिशत है। सौ दिवसीय निश्चय शिविर अभियान संपन्न - प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत राज्य शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में विदिशा जिले में सात दिसंबर 2024 से 24 मार्च 2025 तक सौ दिवसीय निश्चय शिविर अभियान का क्रियान्वयन किया गया था, जिसमें टीबी के संभावित मरीजों का सर्वे के माध्यम से चिन्हित कर मरीजों की जांच कर टीबी की बीमारी के खतरे, लक्षण एवं बचाव के तरीके बताना एवं टी वी पॉजिटिव पाए जाने पर उनका निःशुल्क उपचार करना था।

राज्य स्तर से जिले को टीबी मरीजों की जांच हेतु विकासखंड वार लक्ष्य दिया गया था, जिसमें जिले को विकासखंड बासौदा में 49976, ग्यारसपुर 19817, कुरवाई 31333, लटेरी 41839, नटेरन 49048, सिरोंज 36444 और विदिशा 75098 इस प्रकार जिले को कुल 303555 का लक्ष्य प्राप्त हुआ था।

आरटीआई अधिनियम से अवगत हुए शासकीय अधिकारी, कर्मचारी दो दिवसीय प्रशिक्षण

सिरोंज। विदिशा आरटीआई एक्ट 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार केंद्र प्रायोजित योजना पर सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम ई-दक्ष केंद्र विदिशा में आयोजित कीया गया। सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) 2005 के अंतर्गत 22 मई 2025 से 23 मई 2025 तक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ई-दक्ष केंद्र, कलेक्टर कार्यालय विदिशा में किया गया था। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शासकीय अधिकारी, कर्मचारियों को आरटीआई अधिनियम की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। ई-दक्ष केंद्र प्रशिक्षक श्री चंद्रजीत रघुवंशी द्वारा आरटीआई आवेदन की प्रक्रिया, अपील व्यवस्था, आरटीआई आवेदन एवं अपील संबंधी शुल्क एवं अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया कि किस प्रकार आरटीआई के माध्यम से सरकारी जानकारी आवेदन करने वाले नागरिक को सुचारु रूप से तय समय-सीमा मे जवाबदारी पूर्वक दी जाती है। लोकसेवा एवं ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अमित अग्रवाल ने बताया कि कलेक्टर द्वारा आदेशित इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाना और अधिकारी, कर्मचारियों को उनकी जवाबदेही के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। उक्त प्रशिक्षण जिले के समस्त कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी जिनमे लोक सूचना अधिकारी, सहायक लोक सूचना अधिकारी एवं शाखा प्रभारी एवं अन्य के लिए 01 मई से 30 मई तक पूर्ण किये जा रहे हैं।

मृत्यु के बाद भी एसबीआई के खाते से निकले 17600

शाखा प्रबंधक को आवेदन देकर धोखाधड़ी करने वालों पर कार्रवाई की मांग की

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

2 साल पहले महिला की मृत्यु हो गई उसके बाद भी उसके खाते से 17600 निकालने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति ने शाखा प्रबंधक को आवेदन देकर धोखाधड़ी करने वालों पर प्रकरण दर्ज तथा खाते से नेपाली राशि को वापस करवाने की मांग की है। पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं पर जिनकी मिली भगत से इस काम को किया जा रहा है इनको विरुद्ध कार्रवाई होती तो शायद कुछ रोकथाम होती पर ऐसा नहीं होने से इनके कोई डर नहीं है तभी तो आगे बढ़कर काम करने लगे मृतक के बैंक खाते से भी पैसे निकाल लिए। ऐसा करने वालों के द्वारा भोली भाली जनता के साथ खुलेआम गोलमाल किया जा रहा है। तभी तो मृतक के खाता से भी पैसे निकाल कर 420 करने का कार्य किया गया इसके बाद पीड़ित नोमिन उत्तम सिंह कुर्मी निवासी रामनगर ने एसबीआई शाखा प्रबंधक को आवेदन देते हुए कहा कि मेरी माता श्री जिनका नाम

भगों बाई है जनकी 4-6-2023 मैं मृत्यु हो गई थी उनका खाता क्रमांक 38310742174217 छतरी नाक पर संचालित होने वाले क्योस्क सेंटर का है उसमें में नॉमिनी के नाते कई बार सेंटर में उक्त पैसों को निकलवाने करवाने मांग कर चुका हूं लिखित में भी दे चुका हूं इसके बाद भी मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई उल्टा दिनांक 17-5-2025 को उक्त खाते से 17600 फर्जीवाड़ा तरीके से निकाले गए इसकी सूचना मुझे मेरा मोबाइल नंबर उक्त खाते से लिंक होने के कारण मैसेज आने से जैसे ही जानकारी लगी तो मैं पहले तो क्योस्क सेंटर संचालक के पास गया उनसे बात की पर वहां पर सुनवाई नहीं होने से बैंक आया हूं मृतक के नाम से जो खाता छतरी नाका क्योस्क का उसमें से जिन लोगों ने उत्त राशि को निकाल फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है इनके खिलाफ 420 एफआईआर करवाई जाए एवं निकल गई राशि को मुझे दिलवाया इसके बाद शाखा प्रबंधक ने कहा कि पूरे मामले की जांच करवा रहे हैं। आवेदन को आगे बढ़ा रहे हैं उसके बाद ही पता चलेगा कि किनके द्वारा इस खाते से पैसे निकालकर इतने बड़े कारनामे को अंजाम दिया है।

2 साल नॉमिनी को किया जा रहा था गुमराह

सरकार के द्वारा क्योस्क सेंटर के माध्यम से गरीब वर्ग की सुविधा देने के लिए खोले गए हैं पर ज्दातर सेंट्रो में के खातों से गड़बड़ी हो रही है जिसमें अधिकांश लोग कम पढ़े-लिखे होते हैं कुछ तो पढ़े-लिखे ही नहीं होते हैं।

यह जानते नहीं इसी बात का गड़बड़ी करने वाले फायदा उठाकर इनके खातों से पैसे गायब करने में लगे हुए हैं पेंशन से लेकर छोटा-मोटा लेनदेन करने वालों के खातों को ही यह लोग निशाना बना रहे हैं इनलोगों के खाते से कई बार गड़बड़ी के मामले सामने आ चुके हैं।

ऐसे मामले में भी आज तक धरातल पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई इस वजह से गरीब रसायन लूट रहे हैं जिम्मेदार तमाशा देख रहे हैं फर्जीवाड़ा करने मालामाल हो रहे है तो वक्त की रोटी के लिए जूझने वाला दर-दर की ठोक रहे खा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि 2 साल से नॉमिनी उक्त खाता से पैसे निकलवाने लिए के लिए कई बार कियोस्क संचालक से कर चुका है पर यहां से हर बार से इसको गुमराह करके चला कर दिया था जबकि नॉमिनी इसीलिए बनाया जाता है कि मृत्यु होने के बाद इसका अधिकार नॉमिनी को प्राप्त हो सके उसके बाद भी उसको उसका लाभ नहीं दिया गया खाते से पैसे जरुर निकलने का कार्य हो गया है।

बैंक प्रबंधन तथा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इस तरह से मृतक के खाते से राशि की हेरा फेरी करने वालों की पहचान करके कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए तभी ऐसा करने वाले सुधरेंगे नहीं तो यह जनता को लूटने ही रहेंगे।दूसरी ओर यदि क्योस्क बैक सेंटर संचालक की लापरवाही सामने आती हैं।

तो उसके खिलाफ भी कठोरता कार्रवाई करके फर्जीवाड़ा करने पर थाने में प्रकरण भी दर्ज करवाना होगा तभी इस तरह से सातिर दिमाग का उपयोग करके गरीबों को चूना लगाने वालों मानेंगे नहीं तो

जंगल काटकर ईट भटटे पकाए जाने पर वन अमले ने मौके पर पहुंचकर की 4 फडी लकड़ी जप्त

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ वन परीक्षित के अंतर्गत आने वाली घुटरिया बीट के अंतर्गत अवैध रूप से जलाऊ लकड़ी काटकर एक भट्टे को पकाया जा रहा था। जिसकी मुख्यबिर के द्वारा वनअमला को सूचना प्राप्त हुई थी सूचना मिलने पर तेजगढ़ रेंज की प्रभारी वन परीक्षेत्र अधिकारी मेघा पटेल ने तत्काल स्टाफ को मौके पर भेजा गया साथ ही वन अमला ने राजाराम पिता परम प्रजापति के ईट भट्टे पर पर चार फड़ी अवैध रूप से जंगल से लाई गई लकड़ी मौके पर मिली जिसकी वन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर जप्ती बनाई गई है। साथ ही जुर्माने की कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान डिप्टी रेजर महेंद्र खरे, बीटगार्ड संदीप, बीटगार्ड कपिल उपस्थित थे।

प्रभारी वन परीक्षेत्र अधिकारी तेजगढ़ मेघा पटेल ने कहा कि मेरे पास अभी दो रेंजो के चार्ज है तेजगढ़ रेंज घुटरिया बीट अवैध लकड़ी से ईंट भट्टे संचालित होने की सूचना प्राप्त हुई थी इसके बाद वन स्टाफ को तत्काल भेजा गया था मौके पर तीन चार फड़ी जलाऊ लकड़ी जप्त कर जुर्माने की कार्रवाई की गई है।

डीजे बजाने को लेकर बारातियों और घरातियों में हुई मारपीट, दूल्हे पक्ष के आधा दर्जन लोग घायल

थाना क्षेत्र के गोरखा गांव का मामला चिलोद से आई थी बारात पुलिस कर रही मामले की जांच

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गुरुवार शुक्रवार की दरम्यानी रात तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मोहड़ के ग्राम गोरखा में मरावी समाज की शादी समारोह के दौरान डीजे पर गाना बजाने और अन्य बातों को लेकर कहासुनी हो गई और विवाद इतना बढ़ा कि लड़की के पक्ष वालों ने दुल्हे राजा के पक्ष वालों के साथ मारपीट शुरू कर दी जिसमें आधा दर्जन लोगों के घायल हुए है। हुआ ये कि चिलोद से आई बारात पक्ष के लोगों ने डीजे बजाना बंद कर दिया इतने में लड़की पक्ष के लोग आए और डीजे बजाने की जिद करने लगे लेकिन लड़की पक्ष वालों की बात नहीं मानी गई जब तब बारातियों ने डीजे बजाने से मना कर दिया तो लड़की पक्ष के लोगों ने बारातियों को दौड़ा दौड़ा कर लाठी डंडे से मारपीट कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और चार घायलों को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

भर्ती कराया गया। साथ ही अन्य घायलों को मामूली चोटे आने बाले लोगों का स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस द्वारा अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दरअसल तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोरखा में चिलोद माला बम्हौरी थाना नोहटा से मरावी समाज से बारात गोरखा गांव आई हुई थी जहां शुरुआत में सबकुछ ठीक चल रहा था लेकिन जैसे ही दूल्हा राजा दुल्हन के घर पहुंचे तो डीजे बजाने को लेकर घराती और बाराती भिड़ गए इस विवाद में बरातियों की दुल्हन पक्ष के लोगों ने जमकर मारपीट कर दी गई। इस दौरान आधा दर्जन लोग घायल हो गए जो अपनी जान बचाकर खेतों और जंगलों के रास्ते भागे। सूचना मिलते ही डायल 100 और पुलिस स्टाफ गोरखा गांव के लिए रवाना हुआ लेकिन मोहड़ गांव के समीप कुछ घायल हुए लोग मिले जिन्हें पुलिस इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची और इलाज कराया गया इस विवाद में राहुल सिंह मरावी उम्र 21, अमन सिंह मरावी उम्र 25, ऋषि सिंह मरावी उम्र 23, गोरे सींग मरावी 45 चारों घायल चिलोद थाना नोहटा के निवासी हैं जो बरात में गोरखा गांव आए हुए थे। राहुल मरावी ने बताया कि आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं कुछ लोगों को मामूली चोटे आई है जो सीधे घर चले गए और हम लोग इलाज कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए हैं।

मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 रहेगी मतदाताओं की संख्या, ऊंची इमारतों,कॉलोनियों में बनाए जाएंगे अतिरिक्त मतदान केंद्र

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

चुनावी प्रक्रिया सहित अन्य प्रक्रियाओं को सरल व सुलभ बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की 18 नई पहल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल व सुविधा जनक बनाने के लिए 18 नई पहल शुरू की गई है। आयोग द्वारा मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 तक सीमित कर दी

गई है। ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मतदाता सूची अद्यतनीकरण के लिए, मृत्यु पंजीकरण का डेटा सीधे आरजीआई डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा। सत्यापन के बाद इसे अद्यतन किया जाएगा। मतदाता सूचना पर्चियों को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाया जाएगा। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। सीईओ/डीईओ/ईआरओ स्तर पर अखिल भारतीय सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गईं। 4 हजार 719 बैठकें आयोजित की गईं। इसमें (सीईओ-40/डीईओएस-

मोटरसाइकिल को आईसर ट्रक ने मारी टक्कर दो घायल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को रोहित पुरा चौराहे पर मोटरसाइकिल को आईसर ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमें लालाराम और बलवंत धाकड़ निवासी ग्राम बांसखेड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए इसके बाद इन दो घायलों को शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया जिस समय दुर्घटना हुई थी उस दौरान

चौराहे पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे ।पर इनको अस्पताल पहुंचने की हिम्मत यह पर मोजूद लोगों नहीं जुट पा रहे थे। इसके बाद इनके परिजन ओर कुछ लोगों मिलकर ऑटो से अस्पताल पहुंचाया इधर पुलिस ने

मेट्रो एंकर आंधी का प्रकोप

देवपुर में कथा के दौरान तेज आंधी के कारण गिरा डोम, 6 घायल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को देर शाम को तेज आंधी का प्रकोप देखने को मिला जिसके चलते देवपुर में हो रही कथा लगा ड्रम करने से 6 लोगों को मामूली चोटें आई है गानीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ नहीं तो आधी इतनी तेज थी कि ताश के पत्तों की तरह सामान हवा में जाता हुआ नजर आ रहा था बारिश का दौर भी प्रारंभ हो गया इसके बाद सूचना के बाद एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी, नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल भी देवपुर पहुंचे सभी से चर्चा की हर संभावना का भरोसा दिया। वहीं हवा के चलते घायल हुए लोग को पहले ही निजी अस्पताल आयोजन समिति के लोगों ने इलाज के लिए भर्ती करवाया। दोनों अधिकारियों ने हवा और बारिश से हुए नुकसान के बाद फिर से व्यवस्थाएं बनाने में आयोजन समिति का सहयोग किया शाम के समय मौसम में बदलाव के बाद तेज आंधी का दौर प्रारंभ हुआ नगर में भी बैनर पोस्टर होल्डिंग टीन सेट ताश के पत्तों की तरह उड़ गए बारिश से जरूर गर्मी से राहत मिली पूरे महीने बारिश का दौर देखने को मिल रहा है कई क्षेत्रों की घंटे बिजली भी गायब रही। आंधी के कारण नुकसान हो रहा है।

जिला स्तरीय शिक्षक समस्या निवारण शिविर का आयोजन 26 और 27 मई को

सिरोंज। विदिशा लोक शिक्षण संचनालय मध्य प्रदेश भोपाल एवं संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भोपाल संभाग के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय विदिशा के परिसर स्थित स्काउट भवन में शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर 26 और 27 मई की प्रातः 11 बजे से सांय पांच बजे तक संचालित होगा। उक्त दो दिवसीय शिविर में जिला स्तरीय गठित समिति द्वारा शिक्षकों से प्राप्त समस्याओं, आवेदनों पर संज्ञान लिया जाकर उचित कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस शिविर में शिक्षक अपनी समस्याओं के आवेदन सादे कागज पर हस्तलिखित अथवा टंकित प्रस्तुत कर सकेंगे।

आरसीबी के हेजलवुड के प्लेऑफ से पहले लौटने की संभावना

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के कंधे की चोट से उबरने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से जुड़ने की संभावना है। यह तेज गेंदबाज मौजूदा आईपीएल सत्र में 27 अप्रैल को खेला था और तब से उन्होंने टीम के दो मैच नहीं खेले। वह भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के कारण लीग में हुए एक

हफ्ते के ब्रेक के दौरान स्वदेश लौट गए थे। तब से यह 34 वर्षीय खिलाड़ी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया की तैयारियों के लिये ब्रिसबेन में ट्रेनिंग में जुटा था। अभी वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की चिकित्सा टीम की निगरानी में है और आरसीबी प्रबंधन उनसे संपर्क साधे है। आरसीबी के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने पिछले हफ्ते कहा था, हमारी चिकित्सा टीम और उनकी चिकित्सा टीम उनकी उबरने की प्रक्रिया पर लगातार संपर्क में है। पता चला है कि हेजलवुड अच्छी प्रगति कर रहे हैं और 29 मई से शुरू होने वाले नॉकआउट चरण से पहले टीम के साथ जुड़ने के लिए बेहतरीन स्थिति में हैं।

श्रीलंकाई ऑलराउंडर मैथ्यूज ने टेस्ट से संन्यास लिया : व्हाइट-बॉल क्रिकेट में खेलते रहेंगे

कोलंबो। श्रीलंकाई ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर संन्यास का ऐलान किया। मैथ्यूज ने लिखा- जून में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मेरे करियर का आखिरी टेस्ट होगा, जो 17 से 21 जून तक गॉल में खेला जाएगा। अगर मेरे देश को मेरी जरूरत होगी तो मैं व्हाइट-बॉल चयन के लिए उपलब्ध रहूंगा।% मैथ्यूज को लगभग एक साल से श्रीलंका की व्हाइट-बॉल टीम में नहीं चुना गया है। 37 साल के मैथ्यूज ने 2009 में टेस्ट में डेब्यू किया था और 118 टेस्ट खेले हैं। लगभग 16 साल लंबे अपने टेस्ट करियर में मैथ्यूज ने न

केवल बल्ले से, बल्कि अपनी कप्तानी भी अच्छी प्रदर्शन किया है। मैथ्यूज ने 2009 में टेस्ट में डेब्यू किया था।

मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया- मैथ्यूज मैथ्यूज ने एक्स पर लिखा, अब समय आ गया है कि मैं क्रिकेट का सबसे पसंदीदा खिलाड़ी, इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहूं। पिछले 17 साल से श्रीलंका के लिए क्रिकेट खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और गौरव की बात रही है। जब कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनता है, तो जो देश और सेवा की भावना रखता है, उसकी तुलना किसी चीज से नहीं की जा सकती। मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है और बदले में क्रिकेट ने भी मुझे बहुत कुछ दिया, मुझे वो इंसान बनाया जो मैं आज हूं।

आईपीएल में आज, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टक्कर होनी

श्रेयस अय्यर की निगाहें टॉप-2 स्पॉट पर... डीसी बिगाड़ सकती है गणित?

मौजूदा आईपीएल सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन शानदार रहा है

जयपुर, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच नंबर-66 में शनिवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टक्कर होनी है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आठ मई को धर्मशाला में मैच बीच में ही रद्द कर दिया गया था। वही मुकाबला आज नए सिरे से जयपुर में कराया जाना है।

मौजूदा आईपीएल सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन शानदार रहा है और वो प्लेऑफ में पहले ही पहुंच चुकी है। हालांकि श्रेयस अय्यर की अगुवाई में पंजाब किंग्स की नजरें लीग स्टेज में टॉप-2 में रहने पर हैं। इसके लिए आज के मैच में जीत हासिल करना जरूरी है। बता दें कि जो टीमें लीग स्टेज में पहले और दूसरे स्थान पर रहती हैं, उन्हें फाइनल में पहुंचने का एक अतिरिक्त मौका मिलता है। टॉप-2 टीमों के बीच क्वालिफायर-1 खेला जाता है और इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करती है। वहीं क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम को एक और मौका मिलता है। यह टीम एलिमिनेटर (तीसरे और चौथे स्थान की टीम के बीच मैच) की विजेता से क्वालिफायर-2 में भिड़ती है। फिर क्वालिफायर-2 की विजेता टीम फाइनल में क्वालिफायर-1 की विजेता टीम से भिड़ती है। पंजाब टीम किंग्स के हौसले उस समय और बढ़ गए, जब उसके विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस, एरॉन हार्डी और काइल जेमिसन तीन दिन पहले टीम से जुड़े। ये चारों खिलाड़ी इस मैच में चयन के लिए उपलब्ध होंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते लीग को कुछ समय के स्थगित कर दिया गया था, जिसके बाद बाद ये विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गए थे।

पंजाब का दारोमदार श्रेयष अय्यर पर

आईपीएल प्लेआफ में तीन अलग-अलग टीमों को पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने श्रेयस अय्यर पर पंजाब किंग्स का काफी दारोमदार होगा, जो अपना शानदार फॉर्म कायम रखना चाहेंगे. पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने वाले श्रेयस 2019 और 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को भी प्लेऑफ तक ले जा चुके हैं। दिल्ली की टीम तो 2020 में उनकी कप्तानी में फाइनल में पहुंची थी। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन सिंह (458 रन), श्रेयस अय्यर (435 रन), प्रियांश आर्य (356 रन), अर्शदीप सिंह (11 विकेट) और युजवेंद्र चहल (13 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स को कई मौके मिले, लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव साफ नजर आया।

पंजाब की संभावित प्लेइंग-11:

प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहाल वढेरा, शशांक सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसेन, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह।

दिल्ली कैपिटल्स की संभावित प्लेइंग-11:
फाफ डु प्लेसिस, केएल राहुल (विकेटकीपर), अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल (कप्तान), समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुस्ताफिजुर रहमान।

फैंटेसी 11 में ये होंगे बेस्ट

केएल राहुल, प्रभसिमरन सिंह, अभिषेक पोरेल, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), नेहाल वढेरा, अक्षर पटेल (कप्तान), मार्को जानसेन, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, मुस्ताफिजुर रहमान, अर्शदीप सिंह।

देखा जाए तो इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच अबतक 34 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान पंजाब किंग्स ने 17 और दिल्ली कैपिटल्स ने 16 मैचों में जीत हासिल की। जबकि एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा।

रिटायरमेंट निजी मामला, किसी को फैसला लेने का अधिकार नहीं : गंभीर बोले

रोहित-कोहली के बिना मुश्किल होगी लेकिन युवाओं को मौका मिलेगा

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने माना है कि रोहित-विराट की गैर मौजूदगी टीम के लिए बड़ी चुनौती होगी। लेकिन यह युवाओं के पास खुद को साबित करने का शानदार मौका होगा। दोनों के जाने के बाद भारत को नए टेस्ट कप्तान की जरूरत भी होगी। इन दोनों की जगह लेना आसान नहीं होगा। रोहित-कोहली के संन्यास पर गंभीर नेकहा, मेरा मानना है कि आप कब खेलना शुरू करते हैं और कब खत्म करना चाहते हैं, यह व्यक्तिगत फैसला है। किसी और को हक नहीं है। कोच हो, चयनकर्ता या देश में कोई और, क्या किसी को किसी को भी यह बताने का अधिकार है कि उसे कब संन्यास लेना है और कब नहीं। यह खुद का फैसला होता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। उनके 5 दिन बाद 12 मई को विराट कोहली ने भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। उसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि रोहित-कोहली ने कोच गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर के कारण रिटायरमेंट लिया है।

खिलाड़ियों के पास उपयोगिता साबित करने का मौका

हम अपने दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना जाएंगे। कई बार मुझे लगता है कि यह दूसरे खिलाड़ियों के पास अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका भी है। गंभीर ने इसकी तुलना चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की जीत से की, जो जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में मिली थी। उन्होंने कहा- यह कठिन होगा, लेकिन ऐसे खिलाड़ी होंगे। जो जिम्मेदारी लेने को तैयार होंगे। यह सवाल मुझे चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भी पूछा गया था। जब जसप्रीत बुमराह नहीं था, तब भी मैने यही बात कही थी। किसी के नहीं होने से दूसरे खिलाड़ी को कुछ खास करने का मौका मिलता है। उम्मीद है कि ऐसे खिलाड़ी होंगे जो इस मौके का इंतजार कर रहे होंगे।

अभी हमारा फोकस टी-20 वर्ल्ड कप पर है- गंभीर क्या रोहित-कोहली वनडे वर्ल्ड कप टीम में होंगे? इस सवाल पर गंभीर ने कहा- अभी उसमें काफी समय है। उससे पहले टी20 वर्ल्ड कप होना है। यह बड़ा टूर्नामेंट है, जो फरवरी मार्च में भारत में होगा। अभी पूरा फोकस उसी पर है। 24 मई को हो सकता है टीम इंडिया का ऐलान भारत को 20 जून से इंग्लैंड दौरे पर जाना है, जहां 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 24 मई को किया जा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई स्थिति बीसीसीआई के हेड ऑफिस में सिलेक्शन कमेटी की मीटिंग है। इस मीटिंग के बाद भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया जाएगा।

किदाम्बी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने यहां चुनौतीपूर्ण पुरुष एकल मुकाबले में अपने से ऊंची रैंकिंग के फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव पर तीन गेम में जीत दर्ज कर मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 65वीं रैंकिंग पर काबिज श्रीकांत ने क्वार्टरफाइनल में दुनिया के 18वें नंबर के पोपोव को कड़ी टक्कर देते हुए एक घंटे 14 मिनट में 24-22 17-21 22-20 से शिकस्त दी।

अब पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत का सामना अंतिम चार में जापान के युशी टनाका से होगा। इस तरह विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारतीय का यह एक साल में पहला सेमीफाइनल होगा। टनाका ने शनिवार को पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में टोमा जूनियर के भाई क्रिस्टो पोपोव को 21-18 16-21 21-6 से पराजित किया था। पुरुष एकल का दूसरा सेमीफाइनल जापान के चौथे वरीय कोडाई नारोका और चीन के दूसरे वरीय लि शि फेंग के बीच खेला जाएगा। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गई थी जिससे श्रीकांत बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में एकमात्र भारतीय बचे हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फिल्मों में ही नहीं रियल लाइफ में भी सलमान खान का पुलिस से है गहरा कनेक्शन,

सलमान खान का नाम आते ही बॉलीवुड का सबसे बड़ा सुपरस्टार याद आता है। तीन दशक से ज्यादा के करियर में उन्होंने ऐसी-ऐसी फिल्में दी हैं, जो न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर छा गईं बल्कि लोगों की यादों में भी बस गईं। उनके किरदारों में जो बात सबसे ज्यादा पसंद की गई है, वो है उनका दमदार दबंग अंदाज और जब वो पुलिसवाले की वर्दी पहनते हैं, तो सिनेमाघरों में सीटियां बजने लगती हैं। ऐसे किरदारों में उनका जलवा कुछ और ही होता है। गौरतलब है कि सलमान खान ने पर्दे पर वांटेड, गर्व, राधे और दबंग जैसी फिल्मों में पुलिस की वर्दी पहनकर खूब धमाल मचाया है। उनकी दबंग स्टाइल और बिंदास अंदाज ने हर बार दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन क्या आपको पता है कि सलमान का पुलिस से रिश्ता सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है। असल जिंदगी में भी उनका कनेक्शन रहा है। सलमान के दादा अब्दुल रशीद खान ब्रिटिश दौर में डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल थे। एक्टर सलमान खान एक सम्मानित और सेवाभाव से भरी विरासत से जुड़े हैं। उनके दादा अब्दुल रशीद खान ब्रिटिश राज के दौरान इंदौर रियासत में डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल के पद पर तैनात थे, जो उस दौर में किसी भारतीय अधिकारी को मिलने वाला सबसे ऊंचा पद था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के तौर पर की थी और फिर डीआईजी बने थे।

नहीं रहे मशहूर एक्टर मुकुल देव, 54 की उम्र में ली अंतिम सांस, सदमे में परिवार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। फिल्मों और टीवी के जाने-माने एक्टर मुकुल देव का बीती देर रात निधन हो गया है। एक्टर ने 54 की उम्र में अंतिम सांस ली। एक्टर के निधन की खबर सामने आते ही सिनेमा जगत में शोक की लहर है।

मुकुल देव के साथ सन ऑफ सरदार फिल्म में काम कर चुके एक्टर विंदू दारा सिंह ने एक्टर के निधन की खबर को कंफर्म किया है। उन्होंने बताया कि मुकुल बीते कुछ समय से बीमार थे। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जिसके बाद उन्होंने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

विंदू दारा सिंह ने दुख जताते हुए कहा- मुकुल अब खुद को बड़े पर्दे पर नहीं देख पाएंगे। अपने माता-पिता की मौत के बाद मुकुल खुद को अलग-थलग कर रहे थे। वो घर से बाहर भी नहीं निकलते थे और किसी से भी नहीं मिलते थे।पिछले कुछ दिनों से मुकुल की तबीयत खराब चल रही थी और वो अस्पताल में भर्ती थे। वो एक अद्भुत व्यक्ति थे और हम सभी उन्हें याद करेंगे। मुकुल की दोस्त और फेमस टीवी एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल को एक्टर के निधन से गहरा सदमा पहुंचा है। दीपशिखा ने मुकुल के साथ फोटो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करके उन्हें याद किया है। दीपशिखा ने बताया कि मुकुल ने कभी किसी से अपनी हेल्थ के बारे में बात नहीं की थी। उनका व्हाट्सएप पर एक

फ्रेंड ग्रुप है, जहां वो लोग अक्सर बात करते थे। एक्ट्रेस इमोशनल होते हुए बोलीं- मैं सुबह उठी तो मुझे यह खबर मिली। मैं तब से उनके नंबर पर कॉल कर रही हूं, इस उम्मीद से कि वो फोन उठाएंगे।

फिल्मों और टीवी में मुकुल ने बनाई थी खास पहचान

[illegible]

अमेरिका में कमाए पैसे भारत भेजने पर 3.5% टैक्स लगेगा

वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट पारित

मेट्रो बाजार

वॉशिंगटन। अमेरिका में कमाए पैसों को भारत भेजने पर 3.5त्न टैक्स लगेगा। पहले 5त्न टैक्स का प्रस्ताव था। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 22 मई को वन बिग, ब्यूटीफुल बिल एक्ट पारित कर दिया है। इस बिल में फॉरेन वर्कर्स द्वारा पैसों को अपने देश भेजने पर टैक्स लगाने का प्रावधान है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की इस नई पॉलिसी का सबसे बड़ा असर भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय प्रवासी अमेरिका से सबसे

अधिक रेमिटेंस भेजते हैं। रेमिटेंस यानी, प्रवासियों द्वारा अपने देश भेजा गया धन। सीनेट की मंजूरी के बाद 1 जनवरी 2026 से ये लागू हो जाएगा। 2023-24 में भारतीयों का रेमिटेंस लगभग 130 बिलियन डॉलर था। इसमें करीब 30 बिलियन डॉलर यानी 23.4 फीसदी अमेरिका से आया। 45 लाख भारतीयों ने अमेरिका से ये पैसा भेजा। 3.5फीसदी टैक्स के लागू होने पर 30 बिलियन डॉलर के रेमिटेंस पर 1.05 बिलियन डॉलर यानी, करीब 8,750 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। ये भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा।

ये पिछले साल से 28% ज्यादा

आरबीआई सरकार को रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ सरप्लस ट्रांसफर करेगा

नई दिल्ली। आरबीआई बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपए के सरप्लस ट्रांसफर को मंजूरी दी है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने सरकार को 2.10 लाख करोड़ का सरप्लस ट्रांसफर किया था। यानी, ये पिछले साल की तुलना में 28 प्रतिशत ज्यादा है। सरप्लस का ये ट्रांसफर फाइनेंसियल ईयर 25 के लिए है, लेकिन यह फाइनेंसियल ईयर 26 के लिए सरकार के अकाउंट में दिखाई देगा। सरप्लस की घोषणा आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 616वीं मीटिंग में की गई। आरबीआई की आय और व्यय के बीच के अंतर को सरप्लस कहते हैं। आरबीआई रिजर्व के लिए प्रोविजन और रिटेन्ड अर्निंग के बाद सरप्लस को सरकार को ट्रांसफर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अलॉकेशन ऑफ सरप्लस प्रॉफिट) के अनुसार, ये ट्रांसफर होता है।

आरबीआई सरप्लस कैसे जनरेट करता है?

आरबीआई की इनकम

- घरेलू और विदेशी प्रतिभूतियों की होल्डिंग पर ब्याज
- सर्विसेस से फीस और कमीशन
- फॉरेन एक्सचेंज ट्रांजैक्शन से प्रॉफिट
- सब्सिडियरी और एसोसिएट कंपनियों से रिटर्न

आरबीआई का व्यय

- करेंसी नोटों की छपाई
- जमा और उधार पर ब्याज का भुगतान
- कर्मचारियों का वेतन और पेंशन
- कार्यालयों और शाखाओं का ऑपरेशनल खर्च
- अचानक पैसों की जरूरत और डेप्रिसिएशन के लिए प्रावधान

युवती ने फांसी लगाकर दी जान 12वीं में फर्स्ट डिवीजन आई थी

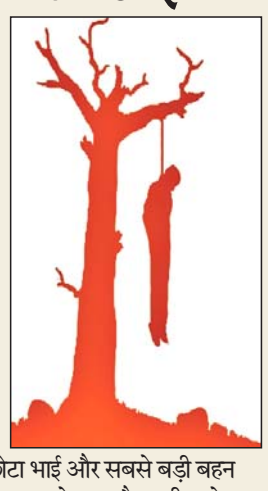

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित कान्हाकुंज फेस 2 में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्याा कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसी वर्ष उसने बारहवीं कक्षा की परीक्षा दी थी और फर्स्ट डिवीजन पास भी हो गई। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार दीक्षा रजक (18) कान्हाकुंज फेस-टू में रहती थी। उसके पिता चौकीदारी का करते है, जबकि मां घरों पर काम करने जाती है। उसका एक छोटा भाई और सबसे बड़ी बहन है। शुक्रवार को घर के सभी सदस्य बाहर थे। इस दौरान दीक्षा ने फांसी लगा ली। शाम को मां काम कर घर पहुंची तो उसने दीक्षा को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद पुलिस सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन ने प्राथमिक पूछताछ में बताया कि दीक्षा पढ़ाई में होनहार थी। उसने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा फर्स्ट डिवीजन में पास की थी।

डंपर से कुचलकर हुई युवक की मौत, चालक पर केस

भोपाल। गुनगा इलाके में ढाबे पर काम करने वाले युवक की मौत डंपर से कुचलने के कारण हुई थी। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक भूरा उर्फ प्रकाश जाटव ग्राम हिनौतिया घाट थाना बैरसिया में रहता है। वह अपने छोटे भाई लक्ष्मीनारायण जाटव (18) के साथ ग्राम सेमरीकला बैरसिया रोड स्थित एक ढाबे पर काम करता है। बीती 17 मई की शाम को दोनों भाई ढाबे पर काम कर रहे थे। इसी दौरान ढाबे के बाहर खड़े एक डंपर के चालक ने अचानक तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए डंपर को रिवर्स किया, जिससे लक्ष्मीनारायण डंपर की चपेट में आकर पिछले टायर से दबकर घायल हो गया। उसकी जांघ और सिर में गंभीर चोट आई थी। ढाबा मालिक और आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया था। तीन दिन बाद तबीयत ज्यादा खराब होने के कारण लक्ष्मीनारायण को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां गुरुवार को उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी। मर्ग जांच के बाद डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

कार की टक्कर से युवक को गंभीर चोट

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अजय बंजारा हरीपुरा नईबस्ती बिलखिरिया में रहता है और मजदूरी करता है। शुक्रवार

सुबह करीब साढ़े सात बजे वह अपने दोस्तों विजय और शंकर के साथ पैदल घर की तरफ जा रहा था। ग्राम हरीपुरा पुलिया के पास एक तेज रफ्तार कार के चालक ने शंकर को टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर, पैर और शरीर में गंभीर चोट आई। दोनों ने घायल शंकर को इलाज के लिए रायसने रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बेहोशी की हालत में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने अजय की रिपोर्ट पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सनसनी हत्याकांड का कमला नगर पुलिस कर सकती है जल्द खुलासा

हत्या के तीन घंटे बाद बॉक्स में लाश को कार में डालकर ले गए वीरपुर डैम

हत्यारे हिरासत में, डायरी मिलते ही पुलिस करेगी एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर चौराहा पर युवक हुक्का लाउंज में युवक की हत्या कर उसकी लाश बॉक्स में भरकर वीरपुर डैम में फेंकने की पुष्टि हो गई है। बिलकिसगंज पुलिस ने लाश बरामद कर ली है। कमला नगर पुलिस बिलकिसगंज से मर्ग डायरी आने के बाद जल्द ही इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा कर सकती है। सूत्रों की माने मृतक खुद ही आरोपी के हुक्का लाउंज पर पहुंचा था, वहां विवाद होने पर आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। मृतक के परिजन ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार सुबह थाने के सामने जमकर हंगामा किया। परिजन का आरोप है कि समय रहते पुलिस ने कार्रवाई नहीं की नहीं तो जान बच सकती थी। पुलिस का कहना है आरोपी हिरासत में है। मर्ग डायरी मिलने के बाद पुलिस आरोपियों पर हत्या और सबूत छिपाने का मामला दर्ज करेगी।

जानकारी के अनुसार लालू उर्फ अर्जुन यादव (24) सबरी नगर कमला नगर में रहता था। उस पर बलवा, मारपीट, हत्या के

प्रयास सहित 27 अपराध दर्ज है। इसी इलाके में शुभम नागेश्वर भी रहता है। शुभम की बहन की दोस्ती लालू यादव से थी। शुभम को लालू अक्सर परेशान करता था और उसके साथ विवाद करता था। आए दिन होने वाले विवाद के कारण कारण लालू ने खुद ही शिवम को कॉल किया और कहा कि मैं आकर मिलता हूं। गत 19-20 मई की रात करीब साढ़े 12 बजे लालू बाइक से शुभम के हुक्का लाउंट पहुंचा। वहां शुभम और उसका दोस्त विकास, विवेक और सुमित थे। सभी का कार से सलकनपुर जाने का प्लान था। इसी बीच लालू वहां बात करने के इरादे से पहुंच गया।

बहन को लेकर की थी टिप्पणी आरोपी

शुभम नेहरू नगर चौराहा पर हुक्का लाउंज चलाता है और उस पर पूर्व में कोई भी अपराध दर्ज नहीं है। लालू आपाधिक प्रवृत्ति का है। पुराने विवाद में सुलह करने और दौबारा कोई विवाद नहीं करने की बात करने के इरादे से लालू पहुंचा था, लेकिन उसने शुभम की बहन को लेकर अभद्र टिप्पणी कर दी। इससे गुस्से में शुभम ने लाउंज में रखा फ्राई पेन उठाकर लालू के सिर पर दे मारा। फ्राई पेन लगने से लालू बेसुध होकर गिर गया। गुस्से में शुभम ने उसके सिर पर तीन बार हमला किया था। हमले में लालू की मौत हो गई।

तड़के कार में रखकर वीरपुर डैम ले गए लाश

हत्या के बाद आरोपी लाउंज में बैठे रहे। उन्हें अनुमान नहीं था कि उनसे हत्या हो जाएगी। लालू की लाश अब उनके लिए परेशानी बन गई थी। उन्होंने लाश ठिकाने लगाने की योजना बनाई। योजना के तहत तीनों ने लाश बॉक्स में भरी और उसे कार से लेकर वीरपुर डैम पहुंचे, वहां लाश फैंक दी। आरोपी लाश बॉक्स में लेकर जा रहे थे, तभी वह बाहर एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए।

सीसीटीवी फुटेज के बाद हरकत में आई पुलिस

परिजन लालू की गुमशुदगी दर्ज कराने 20 मई को थाने पहुंचे। पुलिस को लालू का रिकार्ड पता था। पुलिस को लगा कि वह अपराध करने के बाद कहीं चला गया होगा लौट आएगा। पुलिस ने परिजन से कहा भी था कि वह लौट आएगा। परिजन को शुभम पर संदेह था। परिजन ने अपने स्तर पर सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले तो उसमें लालू शुभम के हुक्का लाउंट में जाते हुए नजर आया, लेकिन वह लौटता हुआ नहीं दिखा। कुछ देर बाद तीन युवक एक बॉक्स हुक्का लाउंज से बाहर निकालते हुए नजर आए।

बाइक और स्कूटर की भिड़ंत में दंपति समेत 4 लोग घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स स्थित बिड़ला मंदिर के सामने बाइक और स्कूटर के बीच हुई आमने सामने की भिड़ंत में दंपति समेत चार लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला और पति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि बाइक सवार दोनों युवकों को कम चोट आई है। पुलिस ने एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार गोमती चौरसिया (55) अस्सी फीट रोड अशोका गार्डन में रहती हैं और गृहणी हैं। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपने पति पवन चौरसिया के साथ स्कूटर से बिड़ला मंदिर दर्शन करने पहुंची थी। स्कूटर उनके पति चला रहे थे, जबकि गोमती पीछे बैठी थी। इसी दौरान पत्रकार भवन से भीम नगर की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। इस हादसे में चौरसिया दंपति सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इधर टक्कर मारने वाली बाइक पर सवार योगेश ठाकुर और सूरज चौरसिया दोनों निवासी भीमनगर को भी गंभीर चोट आई। राहगीरों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने चारों घायलों को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद योगेश को

पुलिस अधिकारी की कार को बाइक ने मारी टक्कर

भोपाल। अरेरा हिल्स इलाके में शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने आगे चल रही पुलिस अधिकारी की कार को टक्कर मार दी, जिससे कार को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने चालक की रिपोर्ट पर बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार कमला नगर में रहने वाले सुरेंद्र सिंह पुलिस विभाग में आरक्षक हैं और मुख्यालय में पदस्थ एआईजी की कार चलाते हैं। कल सुबह करीब सवा ग्यारह बजे वह एआईजी को उनके बंगले से शासकीय कार में लेकर पीएचक्यू जा रहे थे। पुरानी जेल से नीचे उतरते समय उनके पीछे आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे किसी को चोट नहीं आई, लेकिन कार का पीछे का बंफर एवं ब्रेक लाईट क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक पर केस दर्ज कर लिया है।

छुट्टी दे दी गई, जबकि उसके साथी सूरज और स्कूटर पर सवार पवन चौरसिया को गंभीर घायल होने के कारण हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। घायल गोमती का जयप्रकाश अस्पताल में ही इलाज चल रहा है। पुलिस ने गोमती की रिपोर्ट पर बाइक चालक और योगेश की रिपोर्ट पर स्कूटर चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज कर लिया है।

पत्नी से सुलह के लिए सहायक अभियंता से 40 हजार रु. ठगे

जालसाज ने खुद को बताया काउंसलिंग कराने वाली संस्था का वकील

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज पुलिस ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता की शिकायत पर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सहायक अभियंता का आरोप है कि उनका पत्नी से विवाद चल रहा है। पत्नी से सुलह कराने के नाम पर जालसाज ने खुद को काउंसलिंग कराने वाली संस्था का वकील बताकर उनसे चालीस हजार रुपए ऐंठ लिए। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी जालसाज की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार हेमराज सिंह शाक्य, बिरसिंहपुर पुर डिवीजन उमरिया में वे सहायक अभियंता है। वर्ष 2021 में उनकी शादी पूजा से हुई थी। दो साल बाद पूजा और उनके बीच अनबन होने लगी। पूजा ने घटना की शिकायत अशोका गार्डन पुलिस से की थी। पुलिस ने शिकायती आवेदन ले लिया। बाद में हेमराज और पूजा की एक संस्था में काउंसलिंग कराई गई। इसी बीच हेमराज शाक्य के पास अभिषेक उपाध्याय नाम के एक व्यक्ति का कॉल आया। उसने बताया कि वह संस्था का वकील है और पत्नी से सुलह कराने की बात कही। उसने आश्वासन दिया कि आप पर कोई भी प्रकरण नहीं दर्ज किया जाएगा। बदले में चालीस हजार रुपए की मांग की। उसने धमकी दी थी कि यदि रुपए नहीं दोगें तो प्रकरण दर्ज हो जाएगा। सुलह के नाम पर सहायक अभियंता ने उसे करीब 40 हजार रुपए दे दिए। बावजूद इसके आरोपी अतिरिक्त रुपए की मांग करने लगा। सहायक अभियंता ने बार काउंसिल और संस्था में अभिषेक उपाध्याय नाम के वकील के बारे में पूछा तो पता चला कि इस नाम का कोई भी वकील उनके पास रजिस्टर्ड नहीं है। बताया जात है कि आरोपी सहायक अभियंता की पत्नी का ही परिचित है।

मेट्रो एंकर हॉर्न बजाते हुए थी कार, तेज धमाके के साथ तीन युवाओं की जान

गुमठी के पीछे नहीं होते तो जाती जान, टक्कर से गुमठी उछलकर टकराई, गिरने के बाद उठकर भागे दो युवक

खजूरी सड़क हादसा, सीसीटीवी फुटेज में जान बचाकर भागते दिखे पन्नी बीनने वाले दो युवक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भोपाल-इंदौर हाइवे पर गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात हुए हादसे में तीन युवाओं ने अपनी जान गंवा दी, जबकि एक युवक की हालत अभी स्थिर बनी हुई है। जिस समय कार अनियंत्रित होकर गुमठी को टक्कर मारी थी। उस समय गुमठी के पीछे कुछ दूरी पर पन्नी बीनने वाले दो युवक खड़े थे। कार ने पहले गुमठी को टक्कर मारी थी। इसके

बाद पेड़ से टकराते हुए खंभे में जा घुसी थी। गुमठी को टक्कर लगते ही वह पांच मीटर दूर उछली थी। उछलकर गुमठी से टकराकर कुछ दूरी पर खड़े पन्नी बीनने वाले दोनो युवकों से टकराई और वह गिर गए। गिरने के बाद दोनों उठकर भाग निकले। दरअसल, मैरिज गार्डन में पन्नी बीनने वाले यह दोनों युवक गुमठी के पास सोते थे। हादसे की रात वह सोये नहीं थी। यदि वह नींद में होते तो कार की चपेट में आने से उनकी जान जा सकती थी।

उल्लेखनीय है कि राहुल कनाडे (25) शंकर मंदिर के पास, आरा मशीन रोड, बैरागढ़ में रहता है। उसके मोहल्ले में पंकज सिसोदिया (25) और प्रीत आहुजा (27) सहित विशाल डागी रहता था। चारों की बचपन से दोस्ती थी। प्रीत आहुजा का भाई कमलेश आहुजा, बैरागढ़ में कपड़े की दुकान का संचालन करता है। दुकान पर शाम को प्रीत अक्सर आता था। गुरुवार शाम भी वह दुकान आया था। इसके बाद कमलेश की हुंडई वैन्यू कार लेकर निकल गया। कार से विशाल, पंकज और राहुल कंडारे सीहोर खाना खाने के लिए गए थे। कार प्रीत चला रहा था। वहां से रात करीब दो बजे चारों दोस्त कार से भोपाल पहुंच रहे थे।